संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 195
पृष्ठ 8
रविवार
06 अप्रैल 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सिर्फ खुशियां ही नहीं ये बड़ी...

विचार- संविधान से बड़ी छेड़छाड़ का रास्ता...

खेल- पाकिस्तानी ऑलराउंडर खुशदिल शाह...

सीएम योगी ने कहा-

वक्फ के नाम पर अब जमीनों की लूट-खसोट पर लगेगी रोक, चौराहों की जमीनों पर नहीं होगा कब्जा

महाराजगंज। सीएम योगी ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में लाखों एकड़ भूमि वक्फ बोर्ड के नाम पर नाजायज तरीके से कब्जाई गई थी, जिससे गरीबों का कल्याण नहीं हो रहा था। अब इस मनमानेपन पर लगाम लगेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर महाराजगंज पहुंचे। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने संकल्प लिया कि अगले 3 साल में यूपी से गरीबी खत्म कर इसे देश का नंबर एक राज्य बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में देश की संसद में वक्फ बोर्ड संशोधन अधिनियम पारित किया गया है, जिससे वक्फ के नाम पर जमीनों की लूट-खसोट और अवैध कब्जे पर रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि अब कोई चौराहों की जमीनों पर कब्जा नहीं कर सकेगा। सरकारी संपत्ति का उपयोग विद्यालय, चिकित्सालय, कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, बैराज और आवास निर्माण जैसे जनकल्याणकारी कार्यों में होगा। सीएम योगी ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में लाखों एकड़ भूमि वक्फ बोर्ड के नाम पर नाजायज तरीके से कब्जाई गई थी, जिससे गरीबों का कल्याण नहीं हो रहा था। अब इस मनमानेपन पर लगाम लगेगी।

मुख्यमंत्री ने वासंती नवरात्रि की अष्टमी के अवसर पर मां बनैलिया देवी को नमन करते हुए कहा कि उन्हें नौतनवा विधानसभा क्षेत्र में रोहिन नदी पर बैराज के लोकार्पण का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। इस बैराज से 16 हजार अन्नदाता किसानों और 54 सौ हेक्टेयर से अधिक भूमि को सिंचाई का लाभ मिलेगा। योगी ने कहा कि यह बैराज मां बनैलिया देवी के नाम से जाना जाएगा।

रोहिन नदी का पानी मीठा है और यह नेपाल से गोरखपुर तक बहती है। इस बैराज से किसानों को लंबे समय तक लाभ मिलेगा। रोहिन बैराज के बारे में उन्होंने कहा कि 25 साल से इसकी मांग थी, लेकिन पहले की सरकारें अपने परिवार की जेब भरने और जमीन की लूट में व्यस्त थीं। अब यह बैराज बाढ़ से बचाव और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराएगा। इसके आसपास वॉटर बॉडी, पर्यटन, नौकायन और रेस्टोरेंट बनने से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। सीएम योगी ने बताया कि पिछले 8 साल में उत्तर प्रदेश ने नई ऊंचाइयां छुई हैं। 2017 में यूपी देश में सातवें नंबर की अर्थव्यवस्था था, आज यह देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। मुसहर, वनटांगिया और थारू जैसी जनजातियों के गांवों को जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में राम मंदिर और महाकुम्भ का जिक्र करते हुए कहा कि यह विकास और विरासत का अनूठा समन्वय है। मुख्यमंत्री ने सरयू नहर परियोजना का जिक्र करते हुए कहा कि 1972 में बनी परियोजना को पूरा होने में 49 साल लग गये, वो भी तब पूरा हुआ जब भाजपा की सरकार आई।

भारत सच्चे पड़ोसी के रूप में हर परिस्थिति में श्रीलंका के साथ है- मोदी

कोलंबो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत-श्रीलंका के सुरक्षा हित समान हैं, उनकी सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी है तथा भारत सच्चे पड़ोसी तथा मित्र के रूप में हर प्रतिकूल परिस्थिति में श्रीलंका के साथ खड़ा है।

श्रीलंका यात्रा पर आये श्री मोदी ने शनिवार को यहां राष्ट्रपति अनुरा दिसानायका के संयुक्त प्रेस वक्तव्य के अवसर पर कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच सदियों पुराने आध्यात्मिक और आत्मीयता भरे संबंध हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने सबका साथ सबका विकास के विजन को अपनाया है और "हम अपने पार्टनर देशों की प्राथमिकताओं को भी महत्व देते हैं।" उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में दोनों देश अपनी भागीदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मछुआरों के मुद्दे पर भी चर्चा हुई और श्री मोदी ने मछुआरों को तुरंत रिहा किये जाने और उनकी नौकाओं को वापस भेजने पर जोर दिया है। श्री मोदी ने कहा, "मैं श्रीलंका के लोगों के धैर्य और साहस की सराहना करता हूं और आज श्रीलंका को वापिस प्रगति के पथ पर देख कर हर्ष महसूस कर रहा हूं। भारत के लिए यह गर्व का विषय है कि हमने एक सच्चे पड़ोसी मित्र के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वाहन किया है। चाहे 2019 का आतंकवादी हमला हो, कोविड महामारी हो, या हाल में आया आर्थिक संकट, हर कठिन परिस्थिति में, हम श्रीलंका के लोगों के साथ खड़े रहे हैं।"

केन्द्र ने आपदाओं से प्रभावित राज्यों के लिए 1280 करोड़ रुपये की सहायता मंजूर की

नयी दिल्ली। केन्द्र सरकार ने पिछले वर्ष बाढ़, आकस्मिक बाढ़, बादल फटने, भूस्खलन, चक्रवाती तूफान से प्रभावित बिहार, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु और पुडुचेरी के लिए 1280.35 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता को मंजूरी दी है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति की शनिवार को हुई बैठक में यह मंजूरी दी गयी। गृह मंत्रालय ने बताया है कि उच्चस्तरीय समिति ने राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि से तीन राज्यों को 1247.29 करोड़ रुपये और एक केंद्रशासित प्रदेश को 33.06 करोड़ रुपये की केन्द्रीय सहायता को मंजूरी दी, जो राज्य आपदा मोचन निधि में उपलब्ध वर्ष के लिए प्रारंभिक शेष राशि के 50 प्रतिशत के समायोजन के अंतर्गत है। अभी जारी कुल 1280.35 करोड़ रुपये की राशि में से बिहार के लिए 588.73 करोड़ रुपये, हिमाचल प्रदेश के लिए 136.22 करोड़ रुपये, तमिलनाडु के लिए 522.34 करोड़ रुपये और केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी के लिए 33.06 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।

यह अतिरिक्त सहायता केन्द्र द्वारा राज्यों को राज्य आपदा मोचन कोष और केंद्रशासित प्रदेश आपदा मोचन कोष में जारी की गई धनराशि के अतिरिक्त है, जो पहले से ही

राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के पास है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान केन्द्र सरकार ने राज्य आपदा कोष के तहत 28 राज्यों को 20,264.40 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय आपदा कोष के तहत 19 राज्यों को 5,160.76 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष से 19 राज्यों को 4984.25 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष से आठ राज्यों को 719.72 करोड़ रुपये भी जारी किए गए हैं। केंद्र सरकार ने औपचारिक ज्ञापन प्राप्त होने की प्रतीक्षा किए बिना, आपदाओं के तुरंत बाद इन राज्यों में अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीमों को भेज दिया था।

कर्नाटक के गृह मंत्री ने दिया भाजपा कार्यकर्ता के सुसाइड नोट की जांच का आश्वासन

बेंगलुरु। कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ता विनय सोमैया के सुसाइड नोट में कथित तौर पर कांग्रेस नेताओं एएस पोन्नन्ना और मंतर गौड़ा का नाम होने के मामले में पुलिस उचित कानूनी कार्रवाई करेगी। डॉ. परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से कहा कि 'कानून सभी के लिए समान है', जिसमें नोट में उल्लिखित दो कांग्रेस नेता भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, "पुलिस विभाग कानून के अनुसार जो भी कार्रवाई आवश्यक होगी, वह करेगा। घटना फरवरी में हुई थी। विभाग ने जांच की है। देखते हैं हमें क्या जानकारी मिलती है। पुलिस विभाग हर कोण से जांच करेगा और कार्रवाई करेगा।" गौरतलब है कि जब से ऐसी रिपोर्ट्स सामने आयी हैं कि कोडागु जिले के भाजपा कार्यकर्ता सोमैया ने अपने अंतिम नोट में कथित तौर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का नाम लिया है, उनकी आत्महत्या ने राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया है। भाजपा ने निष्पक्ष जांच की मांग की है और कांग्रेस पर अपने नेताओं को बचाने का आरोप लगाया है। सोमैया ने 'सभी को मेरा अंतिम अभिवादन' शीर्षक वाले नोट में श्री पोन्नन्ना और श्री मंतर गौड़ा और अन्य पर एक व्हाट्सऐप पोस्ट को लेकर उनके खिलाफ राजनीतिक रूप से प्रेरित प्राथमिकी करके उन्हें मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया।

कर्नाटक में वैन-ट्रक की टक्कर से पांच लोगों की मौत

कलबुर्गी। कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में नेलोगी क्रॉस के निकट शुक्रवार तड़के वैन के खड़े ट्रक से टकरा जाने से पांच लोगों की मौत हो गयी तथा 10 अन्य घायल हो गये। पुलिस सूत्रों के मुताबिक दुर्घटना सुबह करीब 03:30 बजे हुई। सभी

मृतक बागलकोट जिले के निवासी हैं। घायलों को इलाज के लिए कलबुर्गी अस्पताल ले जाया गया है। कलबुर्गी के पुलिस अधीक्षक ए श्रीनिवासुलु ने दुर्घटनास्थल का दौरा किया और प्रारंभिक जांच की। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

भीषण गर्मी झेलने के लिए हो जाएं तैयार, पारा पहुंचेगा 42 के पार

नई दिल्ली। अप्रैल शुरू होते ही आसमान से आग बरसने लगी है। आने वाले दिनों गर्मी का यह सितम और बढ़ने वाला है। पारा 40 डिग्री सेल्सियस से 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचेगा। मौसम विभाग ने सात और आठ अप्रैल के लिए अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने कहा कि दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश समेत कई राज्यों में भीषण गर्मी रहेगी। इसके अलावा लू चलने की भी चेतावनी जारी की गई है। जबकि दक्षिणी राज्यों में बारिश होने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने दिल्ली में आठ अप्रैल तक हीट वेव की स्थिति को लेकर येलो अलर्ट जारी किया। तापमान 40-42 डिग्री के बीच रहेगा। मौसम विभाग ने मैदानी इलाकों में लू का अलर्ट भी जारी किया है। विभाग ने कहा कि पांच अप्रैल से नौ अप्रैल तक सौराष्ट्र और कच्छ, दक्षिण हरियाणा, दिल्ली और पश्चिम उत्तर प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में लू चलने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश में भी ऐसी ही स्थिति रह सकती है। 6 अप्रैल से 9 अप्रैल तक पंजाब और गुजरात क्षेत्र में, 5 अप्रैल से 10 अप्रैल तक पश्चिमी राजस्थान में, 6 अप्रैल से 10 अप्रैल तक पूर्वी राजस्थान में और 7 अप्रैल से 10 अप्रैल तक पश्चिमी मध्य प्रदेश में भी लू चल सकती है। एक ओर उत्तर भारत में गर्मी का सितम होगा। तो दूसरी दक्षिणी राज्यों में बारिश की संभावना है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में शनिवार को मध्यम बारिश हो सकती है।

नक्सलियों से बोले गृहमंत्री अमित शाह-

आप हमारे अपने, आपके मारे जाने से किसी को खुशी नहीं होती

छत्तीसगढ़। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शनिवार को छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने दंतेवाड़ा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए नक्सलियों से हथियार डालने का आग्रह किया। इस दौरान गृहमंत्री ने कहा कि किसी भी नक्सली के मारे जाने से किसी को खुशी नहीं होती। उन्होंने कहा कि जो नक्सली आत्मसमर्पण करेंगे वे मुख्यधारा का हिस्सा बनेंगे, जो नहीं करेंगे उनसे सुरक्षाबल निपटेंगे। शाह ने अगले साल मार्च तक भारत से नक्सलवाद का सफाया होने का दावा करते हुए कहा कि अब नक्सली हथियारों के बल पर आदिवासियों के विकास को नहीं रोक सकते, उन्हें विकास यात्रा का हिस्सा बनना ही होगा। गृहमंत्री ने ये बातें राज्य सरकार द्वारा दंतेवाड़ा में आयोजित 'बस्तर पंडुम' महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहीं।

सभा को संबोधित करते हुए गृहमंत्री ने कहा, 'वह जमाना चला गया जब यहां पर (बस्तर में) गोलियां चलती थीं और बम विस्फोट होते थे। इसलिए, मैं एक बार फिर आज उन लोगों से जिनके हाथ में हथियार है और जिनके हाथ में हथियार नहीं है उनसे, सभी नक्सली भाइयों से विनती करने आया हूं कि आप हथियार डाल दीजिए और मुख्यधारा में लौट आइए। आप हमारे अपने हैं, जब कोई भी नक्सली मारा जाता है तो किसी को भी खुशी नहीं होती है। मगर इस क्षेत्र को विकास चाहिए, जो विकास यहां 50 साल में नहीं हुआ, हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी 5 साल में बस्तर को सबकुछ देना चाहते हैं।' आगे उन्होंने कहा कि श्बस्तर की धरती पर यह विकास कैसे हो सकता है? यह तभी हो सकता है जब यहां शांति हो, बच्चे स्कूल जाएं, गांवों और तहसीलों में स्वास्थ्य सुविधाएं हों, हर किसी के पास आधार कार्ड, राशन कार्ड और स्वास्थ्य बीमा हो। यह तभी हो सकता है जब बस्तर के लोग तय करें कि वे अपने घरों और गांवों को नक्सल मुक्त बनाएंगे।'

शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने घोषणा की है कि जो गांव नक्सलियों के आत्मसमर्पण में मदद करेंगे और खुद को माओवादी मुक्त घोषित करेंगे, उन्हें एक करोड़ रुपए (निर्माण कार्यों के लिए) दिए जाएंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री ने माओवादियों से हिंसा छोड़ने की अपील करते हुए कहा, 'कोई किसी को मारना नहीं चाहता... बस अपने हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल हो जाएं। भारत सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार आपको पूरी सुरक्षा देगी। अब आप हथियार उठाकर अपने आदिवासी भाइयों और बहनों के विकास को नहीं रोक सकते। अपने हथियार छोड़ो और आत्मसमर्पण करो और विकास प्रक्रिया का हिस्सा बनो।' शाह ने कहा, 'आज हम नक्सलवाद के खिलाफ दोनों तरफ से आगे बढ़ रहे हैं। जो समझ गए हैं कि विकास के लिए हाथ में बंदूक की जरूरत नहीं है, कंप्यूटर की जरूरत है।

अप्रैल माह का सावित्री देवी स्मृति सम्मान शहर समता विचार मंच कानपुर इकाई की वरिष्ठ साहित्यकार रेखा श्रीवास्तव जी को दिया जाएगा

प्रयागराज । हर माह मिलने वाला सावित्री देवी स्मृति सम्मान अप्रैल 2025 का शहर समता महिला काव्यगोष्ठी कानपुर इकाई की वरिष्ठ साहित्यकार रेखा श्रीवास्तव जी को दिया जाएगा। रचनाकार रेखा श्रीवास्तव जी पर चार पेज का सावित्री देवी स्मृति सम्मान विशेषांक भी प्रकाशित होगा, जिसमें रचनाकार को 30-35 कविताएं, कहानी, अपना जीवनवृत्त और अपना आत्मसंघर्ष टाइप करके देना पड़ेगा। साथ में एक पोस्ट कार्ड साइज की फोटो भी।

डीएलएफ गुरुग्राम में अवैध निर्माण पर तोड़फोड़ पर 'सुप्रीम' रोक, यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुग्राम के आरडब्ल्यूए फेज एक से पांच में अवैध निर्माण के खिलाफ चल रही तोड़फोड़ की कार्रवाई पर फिलहाल रोक लगाते हुए स्थिति जैसी है, वैसी ही बनी रहने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और अरविंद कुमार की पीठ ने शुक्रवार को आरडब्ल्यूए कुतुब एन्क्लेव रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) की याचिका पर सुनवाई की। इस याचिका में हरियाणा सरकार के टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग की कार्रवाई को चुनौती दी गई थी।

पीठ ने हरियाणा सरकार को नोटिस जारी कर चार हफ्तों में जवाब मांगा और कहा, अगली सुनवाई तक, सभी पक्ष वर्तमान स्थिति बनाए रखें। इसके साथ

ही कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि आरडब्ल्यूए भी कोई निर्माण नहीं गिराएगा। आरडब्ल्यूए की ओर से सीनियर वकील इंदिरा जयसिंह ने दलील दी कि डीएलएफ के ये रिहायशी इलाके 2008 से गुरुग्राम नगर निगम (एमसीजी) के अंतर्गत आते हैं और केवल वही किसी संपत्ति को गिराने जैसी कार्रवाई कर सकता है, न कि टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग। इससे पहले पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने 13 फरवरी को आदेश दिया था कि डीएलएफ के रिहायशी इलाकों में हो रहे अवैध निर्माण और व्यावसायिक इस्तेमाल पर तुरंत कार्रवाई हो और 19 अप्रैल तक रिपोर्ट दी जाए।

हाई कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि, कुछ शक्तिशाली लोगों और प्रशासन की मिलीभगत से कॉलोनी का मूल स्वरूप नष्ट हो रहा है, और अधिकारियों ने इस पर आंखें मूंद ली हैं।श इसके बाद टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग ने 4000 से ज्यादा नोटिस जारी किए और 2000 से अधिक मकानों को मूल स्थिति में लाने के आदेश दिए। आरडब्ल्यूए का कहना है कि हाई कोर्ट ने पहले 2012 में कहा था कि इस इलाके में विभाग की कोई अधिकारिता नहीं है, लेकिन अब उसी विभाग को कार्रवाई करने के लिए कहा जा रहा है। साथ ही आरडब्ल्यूए का आरोप है कि हाई कोर्ट ने बिना उनकी बात सुने ही फैसला दे दिया।

मेयर के पड़ोसी मोहल्ले में बजबजातीं नालियां और मच्छरों का आतंक

प्रयागराज। शहर के महापौर गणेश केसरवानी के पड़ोस के मोहल्ले मुट्ठीगंज में नालियां चोक होकर बजबजाती नजर आ रही हैं। इससे होने वाले मच्छरों के हमलों ने लोगों की नींद उड़ा रखी है। पेयजल की समस्या भी बनी है। बदबूदार और दूषित जलापूर्ति के कारण स्थानीय लोगों को पीने के स्वच्छ पानी के लिए पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं। अंडर ग्राउंड तार के लिए लगे बिजली के खंभों में करंट का खतरा बना हुआ है। पिछली बारिश में यहां कई मवेशियों की करंट से मौत हो गई थी। इस गर्मी में स्वच्छ पानी के लिए लोगों को तरसना पड़ रहा है। नगर निगम में भी सुनवाई नहीं हो रही है।

मुट्ठीगंज मोहल्ला व्यापारियों के लिए जाना जाता है। यहां पर ज्यादातर व्यापारी ही रहते हैं। यहां पर दिन ही नहीं रात भी गुलजार रहती है। रात में ट्रकों से माल आता है। दुकानों और गोदामों में सामान उतारा जाता है। थोक व्यापारी इनकम टैक्स, जीएसटी को लाखों रुपये टैक्स हर साल देते हैं। नगर निगम को गृहकर और जलकर जमा करते हैं लेकिन इनकी सुविधाओं का ध्यान नहीं रखा जा रहा है।

मुट्ठीगंज की लक्ष्मी नारायण रोड और स्टेट बैंक रोड पर रहने वालों ने बताया कि महाकुम्भ के पहले विकास का काम शुरू हुआ। नालियां बनाई गई लेकिन इसमें बड़ा खेल हुआ। घरों के बाहर पुरानी नालियां सात से आठ फीट गहरी हैं। इन नालियों को बनाने के दौरान साफ नहीं किया। अंदर कूड़ा भरा था और ऊपर से स्लैब डाल दिया गया। कई जगहों पर नाली पूरी नहीं बनी। रामजानकी मंदिर के सामने नाली का एक हिस्सा पूरा खुला छोड़ दिया गया। इसके कारण यहां पर आये दिन हादसे होते रहते हैं। कई मजदूर उसमें गिरकर जख्मी हुए हैं। रात में समस्या ज्यादा होती है।

व्यापारियों ने बताया कि महाकुम्भ के दौरान सौंदर्यीकरण के नाम पर गलत तरीके से नालियां बना दी गईं और उन्हें सीवर लाइन से जोड़ा नहीं गया। नतीजा यह हुआ कि नालियों में गंदगी भर गई हैं। अब हालत ये है कि दुर्गंध उठने लगी है। काफी समय से यहां पर सफाई नहीं हुई है। सफाईकर्मी भी कभी कभार आते हैं। इसके कारण स्थिति और बदतर हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बार–बार शिकायत के बावजूद नगर निगम और संबंधित विभाग उदासीन बने हुए हैं। गंदगी, दुर्गंध और दूषित जलापूर्ति से यहां के लोग काफी परेशान हैं।

चोक नालियां और मच्छरों का कहर

मोहल्ले वालों ने बताया कि नाले–नालियां चोक पड़े हैं, गंदा पानी घरों के मुहाने तक आ जाता है। शिकायत के बावजूद कुछ नहीं हो रहा है। समस्या यह है कि नालियों को इस तरह से बनाया गया है कि उसका सीवर लाइन से कनेक्शन नहीं है। इसके कारण बहाव नहीं है। गंदगी नाले में भरी हुई है। गहराई ज्यादा होने के कारण बारिश में स्थिति बद से बदतर हो जाएगी। गंदगी के कारण मच्छरों का आंतक बढ़ गया है। रात में कोई चौन से सो नहीं पाता। अब तो बीमारी का खतरा बना हुआ है। लंबे समय से दवा का छिड़काव नहीं हुआ, जिससे मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। लोग रात को सो भी नहीं पा रहे। यहां फॉगिंग की सख्त जरूरत है। यह भी बताया कि यहां पूरे साल में एक–दो बार ही सफाई होती है। नगर निगम इस क्षेत्र की लगातार उपेक्षा कर रहा है।

दूषित जलापूर्ति से बीमारी का खतरा

पानी की समस्या भी यहां के लोगों के लिए कम बड़ी नहीं है। कई घरों में गंदा पानी आ रहा है। मजबूरी में लोग आरओ का पानी खरीदकर पी रहे हैं। दूषित जलापूर्ति से बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है। जल संस्थान के अभियंता से शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह हल्का पीला पानी आता है। कभी रंग हल्का हो जाता है। एक व्यापारी ने यह भी बताया कि अंडर ग्राउंड खुदाई के कारण पानी का पाइप टूट जाता है। इसके कारण गंदा पानी आता है। शिकायत करने के बाद भी कोई पहल नहीं हुई। व्यापारी अपने पैसे से मरम्मत कराते हैं।

बिजली विभाग की लापरवाही और हादसों का अंदेशा

बिजली विभाग की लापरवाही भी लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। महाकुम्भ से पहले क्षेत्र में अंडर ग्राउंड बिजली के तार बिछाए गए थे। चौराहे–चौराहे पर बिजली के छोटे पोल बनाए गए। कई पोल खुले हुए हैं। पोल के पास लगे बॉक्स में करंट आ जाता है। कई मवेशी झुलस चुके हैं, लेकिन बिजली विभाग अंजान बना हुआ है। शिकायत पर ठीक करके चले जाते हैं। बारिश आने वाली है ऐसे में हादसे का खतरा बरकरार है।

नाले नालियां चोक पड़े हैं, गंदा पानी लोगों के घरों के मुहाने तक आ जाता है। शिकायत के बावजूद कुछ नहीं हो रहा है, लोग परेशान हैं। नगर निगम के अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं।–अभिलाष केसरवानी

नालियों को सीवर लाइन से नहीं जोड़ा गया है, जिसके कारण नालियों में गंदा पानी भरा रहता है। बारिश में समस्या विकट रूप धारण कर लेती है। लोग घर से नहीं निकल पाते। –दीपक बाबू

महाकुम्भ के कार्य पूरे नहीं कराए गए। हटिया पुलिस चौकी से बांसमंडी तक नालियां नहीं बनी हैं। जिससे गंदा पानी घरों एवं दुकानों के आगे जमा रहता है। गंदगी और बदबू से जीना मुहाल है।–संतोष अग्रहरि

घरों में गंदा पानी आ रहा है। लोग आरओ का पानी खरीद कर पी रहे हैं। गंदे पानी से बीमारी फैलने का अंदेशा बना हुआ है। शिकायत के बावजूद विभाग कुछ नहीं कर रहा है।—रिंकू जायसवाल

बिजली के पोल के पास लगे बॉक्स में करंट आ जाता है। कुछ मवेशी करंट से झुलस भी चुके हैं। शिकायत के बावजूद बिजली विभाग के अधिकारी समस्या से अनजान बने हुए है।––सुशील चन्द्र

बिजली विभाग ने काम अधूरा छोड़ दिया है। बिजली का तार टूट कर गिरा हुआ है। अभियंता से शिकायत की गई लेकिन ध्यान नहीं दिया जा रहा। कई मवेशी करंट में चिपक कर मर चुके हैं।––सुशील केसरवानी

नालियां चोक हैं, सफाई कर्मचारी नदारद रहते हैं। लम्बे समय से दवा का छिड़काव भी नहीं किया गया है। गंदगी के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। मच्छरों के कारण लोग सो भी नहीं पा रहे हैं।––ज्ञानेश्वर चन्द्र गुप्ता

बड़ा चौराहे से राम भवन चौराहे तक नालियां चोक हैं। यहां पूरे वर्ष में मात्र एक या दो बार ही नालियों की सफाई होती है। समस्या गंभीर है लेकिन निगम के अधिकारी मूक दर्शक बने हुए हैं।––प्रमोद कुमार

नगर निगम व पीडीए में तालमेल न होने से तमाम समस्याएं पैदा हो रही हैं। विकास कार्य ठप पड़े है। महाकुम्भ बीत गया लेकिन नालियों को अब तक सीवर लाइन से नहीं जोड़ा गया है।––राजेश केसरवानी

इंटरलाकिंग अधूरी छोड़ दी गई। कुछ स्थानों पर नालियों का निर्माण हुआ भी तो वह मानक के अनुरूप नहीं था। नालियों के निर्माण के बाद उखाड़ी गई इंटर लॉकिंग की ईंट वापस नहीं लगाई गई।––सोनू यादव

कुछ जगहों पर बिजली का पोल लगाते समय पेयजल के लिए बिछाई गई पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो गई है। शिकायत के बाद भी विभाग ने कुछ नहीं किया। टूटी पाइप लाइन के कारण गंदा पानी आ रहा है।––शिवम

आर्य नगर में सड़क की गंभीर समस्या बनी हुई है। आरसीसी रोड पास होने के बावजूद कार्य नहीं कराया जा रहा है। टूटी फूटी सड़क और गडढ्ढों के कारण लोगों को काफी परेशानी हो रही है।––शत्रुघ्न जायसवाल

- **नालियों की सफाई न होने से गंदगी और दुर्गंध उठती है।**
- **गंदगी के कारण मच्छरों के आतंक से मोहल्ले वाले परेशान हैं।**
- **पानी भी दूषित आ रहा, पीने के लिए आरओ का पानी खरीदना पड़ रहा है।**
- **बिजली के खंभों पर करंट आने की शिकायत, कई मवेशी मर चुके हैं।**
- **महाकुम्भ के दौरान बनी नालियां अब तक सीवर लाइन से नहीं जुड़ीं।**
- **नाला-नालियों की नियमित सफाई की जाए।**
- **मोहल्ले में लगातार फश्वगिंग की जाए।**
- **दूषित जलापूर्ति की समस्या से निजात दिलाई जाए।**
- **बिजली के खुले खंभों को ठीक कर पैक करें।**
- **महाकुंभ के दौरान बनी नालियों को सीवर लाइन से जोड़ा जाए।**

मानक के अनुरूप सीवर लाइनों में पाइप नहीं डाला गया जिससे सीवर चोक रहते हैं। चंदापुर का हाता के पास स्ट्रीट लाइट न जलने से गलियों में अंधेरा छाया रहता है। अंधेरे में लोग गिरकर घायल भी हो रहे हैं।––धीरज केसरवानी

इंटरलाकिंग का काम अधूरा पड़ा है। जगह–जगह गड्ढे बन गए हैं, जहां इंटरलॉकिंग की भी गई, वहां मानक के अनुरूप काम न कराने के कारण समस्या पैदा हो रही है। गंदगी एवं बदबू भी बड़ी समस्या है।––अजय अग्रहरि

क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों के कारण घरों में गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है। लोग आरओ का पानी खरीदकर काम चला रहे हैं। जल संस्थान से शिकायत के बावजूद समस्या का निराकरण नहीं हो पाया है।––सुभाष चौरसिया

प्रमुख चौराहों के आसपास सुलभ कॉप्लेक्स न होने से लोग परेशान रहते हैं। मजबूरी में लोग सड़क के किनारे, गलियों एवं खुले स्थान पर गंदगी करते हैं, जिससे बदबू फैलती है। इसके कारण बीमारियां बढ़ेंगी।––संजीव गुप्ता

इलाके की लगभग सभी गलियों में काम कराने की सख्त जरूरत है। टूटी फूटी गलियों में नालियां बजबजाती रहती हैं। गंदगी एवं बदबू से लोगों का जीना मुहाल हो चला है। शिकायत के बावजूद निगम के जिम्मेदार अंजान बने हैं।––रामजी

शहर में पीडीए और पीडब्ल्यूडी ने जो नाला बनाया, उसकी कनेक्टिंग सही नहीं है। नाला साफ नहीं किया। नाले में ऊपर से स्लैब ढालने का काम किया। दो बार आरसीसी किया गया है। इसके कारण नगर निगम बारिश में परेशान होगा। व्यापारियों के गोदामों में पानी भरने की समस्या होगी। सीवर भर जाएगा। यह मुद्दा कार्यकारिणी में उठाया है। ये सारे नाले स्वस्थ्य विभाग की जगह नगर निगम जनकार्य विभाग से कराए जाएं तभी इसका समाधान हो सकेगा।

उच्च अंक प्राप्त करने वाले बच्चों को जिला पंचायत अध्यक्ष ने दी शील्ड

मोरना। मोना जानसठ मार्ग पर गांव चौरावाला मे स्थित किसान मजदूर इंटर कॉलेज में अंक पत्र का वितरण किया गया कक्षा में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा फील्ड देकर सम्मानित किया गया साथ ही महत्वपूर्ण जानकारी देकर बच्चों का मोटिवेशन किया गया। किसान मजदूर इंटर कॉलेज में पहुंचे मुख्य अथिति जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ वीरपाल निर्वाल व विशिष्ट अथितियों ने कक्षा

छरूके तीन सेक्शन मे प्रथम स्थान प्राप्त करने वालों मे सुम्बुल, विक्रांत, फरहा, द्वितीय स्थान श्वेता, गुरुवंश,समरीन,तृतीय स्थान शिवांगी, साहिल,मिसबाह कक्षा सात मे प्रथम स्थान अल्तमश,लविश, दीपाली द्वितीय खुशबु, मौ. कैफ, अरसलान, तृतीय मिस्बाह,जस्सी, नंदनी तथा कक्षा आठ मे प्रथम रुपाली, विशाल, मौ. अबुज़र द्वितीय वृतिका, रिहान,अमन अली तृतीय निकहत,मौ. ताबिश व तनु कक्षा नौ मे प्रथम स्थान पर नेना द्वितीय स्थान पर कंचन तृतीय आनिया कक्षा 11 मे प्रथम स्थान कहकशां, द्वितीय रिया रानी, तृतीय स्थान पर निगम को शील्ड देकर सम्मानित किया।डॉ. वीरपाल निर्वाल ने कहा की बच्चे मोबाइल के अनावश्यक प्रयोग से बचे। विपरीत परिणाम आने पर गलत कदम बिलकुल न उठाएं। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष अरुणपाल सिंह,सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक रामकुमार शर्मा,सुभाष बाबू, प्रवीण त्यागी,राजकुमार, संजू रानी, अरविंद कुमार, ममतेश, बृजेश बड़ोदिया,विनोद कुमार, मनीष शर्मा,सुमित कुमार, गौरव कुमार,उर्वशी, रीना शर्मा,कुमारी रिया चौधरी, विनीत कुमार, मंगल सिंह, गोविंदा, डॉ. संजू शर्मा, शिव कुमार गर्ग, जगदीश पाल, संदीप कुमार आदि उपस्थित रहे।

जस्टिस यशवंत वर्मा ने ली न्यायाधीश पद की शपथ, मुख्य न्यायाधीश ने दिलाई शपथ, HCBA ने जताई आपत्ति

प्रयागराज। विवादों में घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा का शपथ ग्रहण शनिवार को करा दिया गया। मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली ने अपने लाइब्रेरी हॉल में जस्टिस वर्मा को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। उनका नाम हाईकोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर भी दर्ज हो गया है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन इलाहाबाद ने आपत्ति जाहिर की है। भारी मात्रा में नोट मिलने के बाद चर्चा में आए जस्टिस यशवंत वर्मा ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में बतौर न्यायाधीश पद और गोपनीयता की शपथ ग्रहण कर ली है। मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली ने उन्हें लाइब्रेरी हॉल में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। जस्टिस वर्मा का नाम इलाहाबाद हाईकोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर भी दर्ज हो गया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने जस्टिस वर्मा के शपथ ग्रहण पर आपत्ति जताई थी। रजिस्ट्रार प्रोटोकॉल आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की शपथ सुबह 9.30 पर मुख्य न्यायधीश के लाइब्रेरी हाल में हुआ है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की ऑफिशियल वेबसाइट पर उनका नाम सातवें नंबर पर अपलोड किया गया।

संगम पर अब पूरे साल चलेंगे मोटरबोट और बजरा, शुरू की गई टेंडर की प्रक्रिया

प्रयागराज। संगम पर अब पूरे साल नाव के साथ मोटरबोट एवं बजरा भी चलेंगे। बजरा के लिए तो संचालकों से आवेदन भी मांगे जा चुके हैं। वहीं, मोटरबोट के लिए जल्द टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी। महाकुंभ के बाद भी संगम पर श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के आने का क्रम जारी है।

संगम पर अब पूरे साल नाव के साथ मोटरबोट एवं बजरा भी चलेंगे। बजरा के लिए तो संचालकों से आवेदन भी मांगे जा चुके हैं। वहीं, मोटरबोट के लिए जल्द टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी। महाकुंभ के बाद भी संगम पर श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के आने का क्रम जारी है। रोजाना हजारों श्रद्धालु आ रहे हैं। कुंभ–2019 से ही संगम प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थलों में शामिल हो गया है।

महाकुंभ–2025 से इसका नया रूप ही सामने आया है। ऐसे में माना जा रहा है कि यहां श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के आने का सिलसिला अब पूरे वर्ष जारी रहेगा।

इसे देखते हुए संगम तथा आसपास के क्षेत्रों में वर्ष पर्यंत सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी योजना बनाई गई है। खास यह है कि संगम आने वाले श्रद्धालुओं में नाव से भ्रमण का क्रेज भी है। ऐसे में प्रयागराज मेला प्राधिकरण की ओर से नावों के साथ बजरा एवं मोटरबोट संचालन की तैयारी की गई है।

मेलाधिकारी विजय किरन आनंद का कहना है कि श्रद्धालुओं की मांग को देखते हुए बजरा संचालन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। टेंडर के माध्यम से संचालकों से प्रस्ताव मांगे गए हैं। जल्द ही निर्णय लेकर बजरा का संचालन शुरू किया जाएगा। इसके अलावा मोटरबोट के लिए भी सर्वे कराया जा रहा है। नदी में मार्ग आदि तय करके जल्द मोटरबोट के लिए आवेदन मांगे जाएंगे। मेलाधिकारी ने बताया कि बजरा एवं मोटरबोट बोट क्लब, किला घाट, अरैल आदि घाटों से चलाए जाएंगे।

संगम पर रात में भी नाव संचालन की तैयारी

वह दिन दूर नहीं जब संगम पर अब रात में भी नाव से भ्रमण किया जा सकेगा। मेला प्राधिकरण की ओर इसके लिए जल पुलिस को पत्र लिखा गया है। सर्वे आदि की प्रक्रिया के बाद ही इसके लिए प्रक्रिया शुरू की जाएगी। संगम पर अभी शाम सात बजे तक ही नाव चलाने की अनुमति है। जबकि, वाराणसी समेत कई जिलों में गंगा नदी में रात में भी नाव संचालन की अनुमति है। उसी तर्ज पर अब संगम में भी रात में नाव एवं मोटरबोट संचालन की तैयारी है। इसके लिए रूट तय करने के साथ सुरक्षा के इंतजाम किए जाएंगे। इसके तहत नदी में प्रकाश की व्यवस्था के साथ गोताखोर आदि की भी तैनाती की जाएगी।

मेलाधिकारी विजय किरन आनंद का कहना है कि संगम पर अब बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक आ रहे हैं। लोग देर रात तक यहां रहते हैं। इसे देखते हुए रात में भी नावों के संचालन की योजना बनाई गई है। इसके लिए जल पुलिस को पत्र लिखा गया है। सर्वे के बाद जल्द ही आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

कमांडर वर्क इंजीनियर की हत्या के मामले की जांच एसआईटी के हवाले, आईजी के नेतृत्व में कमेटी गठित

प्रयागराज। एयरफोर्स के कमांडर वर्क इंजीनीयर की 29 मार्च को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले का खुलासा पुलिस ने कर दिया था, लेकिन परिजनों ने खुलासे पर सवाल खड़ा किए थे। शासन को पत्र भेजकर गहराई से जांच कराने की मांग की थी।

पत्नी वत्सला ने हत्या के पीछे गहरी साजिश की आशंका जताई थी। डीजीपी ने आईजी रेंज प्रयागराज के नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम को खुलासे लिए लगा दिया है। एयरफोर्स के हाई सिक्योरिटी जोन में कमांडर वर्क इंजीनियर की हत्या की जांच अब एसआईटी करेगी। डीजीपी प्रशांत कुमार ने खुलासे के लिए आईजी रेंज प्रयागराज प्रेम कुमार गौतम के नेतृत्व में मामले से जुड़े अनसुलझे सवालों के जवाब खोजने के लिए तीन सदस्यीय टीम गठित की है। इसमें अपर पुलिस आयुक्त अपराध डॉ. अजयपाल शर्मा और एसीपी धूमनगंज बृजेंद्र यादव भी शामिल किए गए हैं। परिजनों ने पुलिस की ओर से बताई गई खुलासे की थ्योरी पर सवाल उठाए थे। उच्चस्तरीय टीम से जांच कराने की मांग को लेकर शासन को पत्र भेजा था। इसको संज्ञान में लेते हुए डीजीपी ने एसआईटी का गठन किया है। मध्य वायु कमान कैंपस के भीतर कमांडर वर्क इंजीनियर सत्येंद्र नारायण मिश्रा की 29 मार्च को भोर में 3.15 बजे गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

प्रयागराज में पुराने यमुना पुल पर जब प्राण के पीछे दौड़े थे मनोज कुमार, संगमनगरी से था गहरा नाता

प्रयागराज। अभिनेता मनोज कुमार का प्रयागराज से गहरा नाता रहा। उनकी सुपर हिट फिल्म उपकार संगमनगरी की ही देन है। पूर्व पीएम लाल बहादुर शास्त्री के कहने पर मनोज कुमार ने फिल्म की पटकथा यहीं लिखी और संगमनगरी में ही उसे फिल्माया भी। फिल्म का गाना मेरे देश की धरती सोना उगले इसी फिल्म की देन है। यह फिल्म उस साल बॉक्स ऑफिस पर सुपर हिट रही। फिल्म अभिनेता मनोज कुमार का संगमनगरी से गहरा नाता रहा है। 70 के दशक में वह दो बार यहां आए थे। उनकी फिल्म उपकार इसी शहर की देन रही है। तब देश के प्रधानमंत्री रहे लाल बहादुर शास्त्री के कहने पर उन्होंने उपकार की न सिर्फ कहानी लिखी, बल्कि उसके कई दृश्यों को इसी शहर में फिल्माया भी। इतना ही नहीं फिल्म पूरब पश्चिम के एक सीन की शूटिंग के लिए खलनायक प्राण के साथ वह पुराने यमुना पुल पर दौड़े भी थे।

1965 की भारत–पाकिस्तान जंग के बाद पीएम लालबहादुर शास्त्री के कहने पर मनोज कुमार ने फिल्म उपकार बनाई थी। इससे जुड़े कई किस्से इस शहर के लोगों के जेहन में उनके निधन के बाद ताजा हो गए। बाबा अभय अवस्थी बताते हैं कि लाल बहादुर शास्त्री ने मनोज को अपने लोकप्रिय नारे जय जवान जय किसान पर एक फिल्म बनाने को कहा था। शास्त्री जी के कहने पर मनोज कुमार ने 1967 में फिल्म उपकार बनाई थी। देशभक्ति से सराबोर इस फिल्म ने खूब वाहवाही लूटी थी। अभय बताते हैं कि मनोज कुमार के रिश्ते राजनेताओं से अच्छे

थे। 1965 के भारत–पाकिस्तान युद्ध के बाद मनोज की मुलाकात लाल बहादुर शास्त्री से हुई थी। उनके आग्रह पर बनी उपकार फिल्म उस साल बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी। इसका संगीत 1960 के दशक का छठा सबसे ज्यादा बिकने वाला हिंदी फिल्म एल्बम था। उपकार का गाना मेरे देश की धरती आज भी लोगों की जुबान पर है।

पुल पर लगी थी सिने प्रेमियों की भीड़

रंग निर्देशक सुषमा शर्मा बताती हैं कि फिल्म पूरब–पश्चिम की शूटिंग के लिए अभिनेता मनोज कुमार प्राण के साथ 1970 में संगमनगरी आए थे। इस फिल्म के एक दृश्य की शूटिंग पुराने यमुना पुल पर चल रही थी। इस सीन में प्राण पुल पर भाग रहे थे और मनोज कुमार दौड़ते हुए उनका पीछा कर रहे थे। इस शूटिंग को देखने के लिए तब सिने प्रेमियों और प्रसंशकों की भीड़ पुल पर लग गई थी। तब फिल्म यूनिट के आग्रह पर पुलिस ने शूटिंग देखने पर रोक लगा दी थी। भीड़ को वहां से हटने के लिए विवश कर दिया गया था। इससे नाराज होकर लोगों ने फिल्म यूनिट के सदस्यों पर पथराव कर दिया था। मारपीट होने के बाद अफरातफरी मच गई थी।

आरेडिका में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक ''प्रगति'' पत्रिका का विमोचन

रायबरेली। आरेडिका में महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें आरेडिका की राजभाषा गतिविधियों एवं प्रगति की समीक्षा की गई। इसके साथ ही राजभाषा के प्रचार–प्रसार एवं लेखन कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से त्रैमासिक प्रकाशित होने वाली गृह पत्रिका ''प्रगति'' के मार्च–2025 अंक का विमोचन महाप्रबंधक महोदय के कर –कमलों द्वारा किया गया। इस पत्रिका में मौलिक रचनाओं यथा कविता, कहानियाँ, संस्मरण, प्रेरक लेख इत्यादि को शामिल किया गया

है। महाप्रबंधक महोदय ने ''प्रगति'' पत्रिका के इस अंक में प्रकाशित रचनाओं के रचनाकारों की सराहना की। बैठक में आरेडिका के प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता विवेक खरे, प्रधान वित्त सलाहकार बत्ती लाल मीना, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक राजीव खण्डेलवाल, प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता मनोज कुमार जिंदल, महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द्र, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी रूपेश श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य अभियंता सत्य प्रकाश यादव, मुख्य सतर्कता अधिकारी एवं वरिष्ठ उप महाप्रबंधक अकमल वदूद, सचिव महाप्रबंधक एवं मुख्य जनसंपर्क अधिकारी आर.एन.तिवारी, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी अष्टानन्द पाठक, राजभाषा अधिकारी राकेश रंजन व राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

महावन समाधान दिवस में डीएम ने लेखपालों की जमकर ली खबर, 11 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

मथुरा। महावन तहसील के सभागार में अप्रैल माह के प्रथम शनिवार को डीएम चन्द्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। समाधान दिवस के दौरान फरियादियों की 86 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से 11 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निश्चित समय अवधि में गुणवत्ता पूर्वक निस्तारित करने के निर्देश दिए। समाधान दिवस के दौरान डीएम

चंद्रप्रकाश ने तहसील के सभी लेखपालों को उनकी खराब कार्यशैली के लिए कड़ी फटकार लगाते हुए जमकर खबर ली। डीएम ने कहा कि हम सब भाग्य शाली हैं जो हमें इस जिला में काम करने का अवसर मिला है हमें गरीबों की मदद करनी चाहिए। महावन तहसील की मुख्य समस्याएं दाखिल खारिज,मेड बंदी,विधवा पेंशन,कृषक दुर्घटना बीमा, फार्मा रजिस्ट्री,अंश निर्धारण आदि समस्याओं को सुनने एवं निपटारे करने का लेखपालों को निर्देशित किया। इस दौरान डीआईजी कुमार पांडे,महावन एसडीएम आदेश कुमार , तहसील दार सुशील कुमार गुप्ता, नायब तहसील दार साविका शर्मा,सी.ओ धर्मेंद्र सिंह चौहान आदि रहे।

श्री राम नवमी पर भयहरण नाथ धाम में सुंदर कांड का होगा आयोजन

प्रतापगढ़। प्रसिद्धपांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में श्री राम नवमी के पावन अवसर पर नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह द्वारा सुंदर कांड का आयोजन मुख्य मंदिर परिसर में 6 अप्रेल को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगा। इस अवसर पर गणमान्य नागरिको व प्रबन्ध समिति सदस्यों, सभासदो व भक्तो के साथ नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव व भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव व जिला लोकपाल समाज शेखर शामिल होंगे। यह जानकारी देते हुए धाम के उपाध्यक्ष मीडिया पी बी सिंह ने बताया की धाम स्थित श्री राम जानकी मंदिर सहित सभी मंदिरों में विविध आयोजन होंगे। मुख्य मंदिर परिसर में आयोजित सुंदर कांड की संगीतमय प्रस्तुति हरि कीर्तन मंडल पूरे तोरई के अजब नारायण पांडेय के संयोजन में होगा। धाम के संरक्षक मुख्य पुजारी भोला नाथ तिवारी, अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल व कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह ने सभी पदाधिकारियों व सदस्यों तथा प्रमुख भक्तो से प्रतिभाग की अपील की है।

वार्षिकोत्स्व के दौरान बच्चों को किया पुरुष्कृत

भोपा। प्राथमिक विद्यालय भोपा नंबर दो में वार्षिक उत्सव होल्लास से मनाया गया। मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान द्वारा उच्च अंक प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरुष्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वालित कर किया गया।छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया।जिसके बाद छात्राओं द्वारा देशभक्ति गीतों पर मनमोहक प्रस्तुति दी गई। ग्राम प्रधान रेखा धीमान द्वारा कक्षा में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओ को पुरस्कृत किया गया है, कक्षा–5 में उर्वशी कक्षा–4 में वैभव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 12 आउट ऑफ स्कूल बच्चों में पाठ्य सामग्री वितरित की गई। शारदा संगोष्ठी के माध्यम से ग्रामवासियों को बच्चों के विद्यालय में नामांकन हेतु प्रेरित किया गया।प्रधानाध्यापिका पूनम रानी ने कहा की प्राथमिक शिक्षा से वृक्ष की जड़ के समान है। जड़ों को संस्कार के अमृत से सींचने का काम प्राथमिक विद्यालय के अध्यापक करते हैं।

रामोत्सव मंच पर पहुंचे कवियों ने बांधा समां

लोक कलाकारों की भजन प्रस्तुति के बाद समाजसेवियों का हुआ सम्मान

करछना। रामायतन परिवार द्वारा करछना के अनघ मण्डपम् में आयोजित रामोत्सव में मंच पर पहुंचे कवियों ने खूब समां बांधी।लोक कलाकारों ने भी भजन प्रस्तुतियों पर खूब तालियां बटोरी। मंच की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि फतेह बहादुर सिंह ऋषिराज ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद उप जिलाधिकारी करछना के साथ कई विभूतियों द्वारा भगवान श्री राम और मां वीणा पाणि के चित्र पर माल्यार्पण,

दीप प्रज्वलन से हुआ। भगवान श्री राम के लोक दर्शन पर व्याख्यान देते हुए हिंदुस्तानी अकादमी के पूर्व सचिव,वरिष्ठ साहित्यकार रविनंदन सिंह ने लोगों को भाव विभोर कर दिया।इसके उपरांत कवि सम्मेलन के दौरान नीलम त्रिपाठी द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना के बाद हास्य कवि नजर इलाहाबादी ने लोगों को जी भर गुदगुदाया। ओज और शौर्य के चर्चित कवि राम भदावर ने देश प्रेम से ओत प्रोत अपनी धारदार पंक्तियों पर खूब तालियां बटोरी,तो वहीं कनक तिवारी ने अपनी काव्य पंक्तियों में मां भारती की आरती उतारते हुए शहीदों को नमन किया। मानक मुकेश ने तिरंगा लहर लहर लहराए जैसी पंक्तियों पर खूब वाहवाही लूटी। चर्चित व्यंग्यकार राधेश्याम भारती ने राजनैतिक विसंगतियों पर जमकर तंज कसे।गीतकार शैलेन्द्र मधुर के गीत,गजलों ने भी खूब समां बांधी तो वहीं सन्तोष शुक्ल समर्थ,राधा शुक्ला,विपिन,

संजय पांडेय सरस,हृदयेन्द्र प्रताप सिंह, जितेंद्र मिश्र जलज की कविताओं पर श्रोता देर शाम तक भाव विभोर होते रहे। इसके पूर्व लोक कलाकार मोहिनी श्रीवास्तव,मिश्र बंधु,शिखा सिंह,राजीव सिंह राजू, सत्यवान ने भजन,देवी गीत,चौता की प्रस्तुतियों पर खूब तालियां बटोरी। कार्यक्रम के उपरांत रामायतन परिवार की ओर से समाज में प्रेरक और उत्कृष्ट कार्य हेतु भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला,पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद प्रजापति,रविनंदन सिंह,नित्यानंद उपाध्याय,नीतू सिंह, प्रधानाचार्य मदन मोहन शंखधर,पारुल सिंह,रंगकर्मी वेदानन्द विश्वकर्मा,प्रमुख जसरा पप्पू सिंह डॉ.संजय त्रिपाठी,चिंतामणि यादव,राहुल दुबे सागर समेत कवि,कलाकारों को मंच पर सम्मानित किया गया। युवा समाजसेवी रिंकू सिंह और लाल दिवाकर सिंह ने सभी अतिथियों, कवि,कलाकारोंऔर पत्रकारों के प्रति स्वागत आभार प्रकट किया। इस मौके पर सुबोध सिंह,डॉ.त्रिलोकी सिंह,डॉ. वाईपी सिंह शोभनाथ शुक्ला,हंसराज सिंह,लाल जी सिंह,विनय प्रताप सिंह बिन्नू,शोभित सिंह, आलोक शुक्ला,अजय सिंह,अमरेश तिवारी, रिशु मिश्रा,रामबाबू यादव,वेद श्रीवास्तव, अंबुज द्विवेदी,मुकेश शुक्ला समेत बड़ी संख्या में स्थानीय प्रबुद्धजन एवं श्रोता मौजूद रहे।

आक्टा चुनाव में प्रो संजय सिंह मुख्य चुनाव अधिकारी

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय संघटक महाविद्यालय शिक्षक संघ (आक्टा) की कार्यकारिणी सभा की बैठक प्रो उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में यूइंग क्रिश्चियन कॉलेज में हुई, जिसमें आक्टा की नई कार्यकारिणी के लिए पदाधिकारीयों के चुनाव कराने के लिए चुनाव अधिकारियों का चयन किया गया। सीएमपी डिग्री कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ संजय सिंह को मुख्य चुनाव अधिकारी बनाया गया। सीएमपी से रसायन विज्ञान विभाग की डॉ मृदुला त्रिपाठी और एस एस खन्ना महाविद्यालय से संगीत विभाग की डॉ रेखा रानी सहायक चुनाव अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

चुनाव सीएमपी महाविद्यालय में होगा। चुनाव अधिकारी शीघ्र ही अपनी बैठक में विस्तृत चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करेंगे। आक्टा के पदाधिकारीयों का चुनाव 27 अप्रैल 2025 तक पूरा कराना है। इस कार्यकारिणी ने अपनी अंतिम बैठक में इस बात पर दुख और जो व्यक्त किया गया कि कई महाविद्यालयों के शिक्षकों की पदोन्नति वर्षों से रुकी हुई है, जबकि ईसीसी और राजर्षि टंडन महाविद्यालय में शिक्षकों की भर्ती रुकी हुई है। सदस्यों ने विश्वविद्यालय द्वारा महाविद्यालयों के कार्यों को रोके जाने और कार्यों में विलंब करने के लिए कड़ी आलोचना की। ईसीसी के तीन विषयों गणित, भौतिक विज्ञान और शिक्षा शास्त्र के तीन शिक्षकों का एसोसिएट प्रोफेसर पद पर पदोन्नति के लिए विषय विशेषज्ञों को संस्तुत करने की फ़ाइल लगभग एक वर्ष से लटकी है। ईसीसी और जगत तारन के लगभग 40 शिक्षकों की पदोन्नति के अनुमोदन की फाइल लगभग 6 महीने से अधिक समय से पड़ी हुई। सभी सदस्यों ने कहा कि हमें आंदोलन करने को बाध्य किया जा रहा है। ऑक्टा की नई कार्यकरिणी के गठन के बाद इन सभी मुद्दों के संबंध में आगे की रणनीति बनाई जाएगी।

बैठक का संचालन महासचिव प्रो संतोष कुमार श्रीवास्तव ने किया। बैठक में उपाध्यक्ष डॉ अखिलेश त्रिपाठी संयुक्त सचिव डॉक्टर आशीष त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष डॉ हरिश्चंद्र यादव, पूर्व आक्ता अध्यक्ष प्रो एसपी सिंह एवं प्रो सुनील कांत मिश्रा, प्रो संघसेन सिंह, प्रो आनंदपाल, प्रो मार्तंड सिंह, प्रो धीरज चौधरी, प्रो रजत श्रीवास्तव, प्रो विवेक कुमार निगम, डा आशीष मिश्रा, डा प्रेम प्रकाश सिंह सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे।

'यूपी में जारी है, एमपी की बारी है' नारे के साथ अपना दल (एस) का संगठन विस्तार पर जोर'

हजारों की संख्या में दिलाई गई सदस्यता, जोनल कार्यालय का हुआ उद्घाटन

लखनऊ। हाल ही में अपना दल (एस) की मध्य प्रदेश इकाई की एक अहम बैठक संपन्न हुई। पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल के निर्देशानुसार यह बैठक राष्ट्रीय महासचिव (युवा मंच) डॉ. अखिलेश पटेल के मार्गदर्शन और राजनीतिक रणनीतिकार डॉ. अतुल मलिकराम के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश और जिला कार्यकारिणी के प्रमुख सदस्य एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। जहाँ हजारों की संख्या में नए सदस्यों को सदस्यता दिलाई गई, तथा एक जोनल कार्यालय का भी शुभारम्भ किया गया।

बैठक के दौरान डॉ. अखिलेश पटेल ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि ष्प्रदेश में अपना दल (एस) को दूसरे नंबर का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनाने के लिए हमें संगठित प्रयास करने होंगे।ष उन्होंने उत्तर प्रदेश में पार्टी की मजबूती का हवाला देते हुए श्यूपी में जारी है, एमपी की बारी हैश का नारा दिया, जिससे कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ।

इसी कड़ी में, डॉ. अतुल मलिकराम ने दलित, पिछड़े और कमजोर वर्ग की आवाज को बुलंद करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ष्अपना दल (एस) समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है और संगठन को मजबूत करने के लिए हम सबको एकजुट होकर काम करना होगा।

बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी से बालकृष्ण गौर, राजेश्वर मिश्रा, मंचित लिखितकर, अनिल सोनी, कैलाश गवांडे, वंदना नामदेव, मुकेश मराठा, एस. आर. नागले, हरीश तलरेजा, यश कुमार, मुस्कान सिंह, रोहित चंदेल व इकबाल पटेल सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। वहीं, जिला कार्यकारिणी से मुकेश जाट, त्रिलोकी सिंह, बबलू यादव, राजेश कुमार पाल, मनीष सिंह राजपूत, धनीराम केवट, मनीष सिरवरिया, महेश सिंह समेत कई जिला पदाधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

बैठक में मुख्य रूप से संगठन विस्तार, आगामी रणनीतियों और जनसंपर्क अभियान पर भी विस्तृत चर्चा की गई। इस आयोजन ने कार्यकर्ताओं को नई दिशा देने का कार्य किया, जिससे मध्य प्रदेश में पार्टी के विस्तार की संभावनाएं और प्रबल हो गई हैं।

मोहन प्रजापति ने समाज के बीच पहुंच कर महर्षि कश्यप का जन्मोत्सव मनाया

मुजफ्फरनगर। आज भारतीय अति पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति ने साथियों सहित महर्षि कश्यप चौक पर पहुंच कर जन्मोत्सव कार्यक्रम में भाग लिया और मोहन प्रजापति ने भगवान महर्षि कश्यप का जयकारा व कश्यप समाज जिंदाबाद बोल कर भाई चारा को आगे बढ़ाने का काम कियास इस दौरान उन्होंने कश्यप समाज के गणमान्य लोगों के साथ मिलकर महर्षि कश्यप के जन्मोत्सव पर केक काट कर केक वितरित किया और जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया साथ ही उन्होंने कहा हे हम सब एक हे जो भी अति पिछड़ा वर्ग से आता हे ओर सभी को महापुरुषों व अपने आराध्य का जन्मोत्सव मिलकर मनाना चाहिए सवहीं उन्होंने कहा हे कि बहुत लोग हे ऐसे जो हमें राजनीतिक वोट बैंक के तो रूप में इस्तेमाल करते हे लेकिन हमारे महापुरुषों को तवज्जो नहीं देते लेकिन अब अति पिछड़ा वर्ग जाग चुका हे ओर अपने इतिहास को आगे लाने का काम कर रहा हेस इस दौरान कश्यप समाज के अध्यक्ष अंकित कश्यप,अति पिछड़ा वर्ग के क्षेत्रीय अध्यक्ष ब्रजवीर धीमान, प्रभारी सुखपाल कश्यप, हरगोपाल कश्यप एडवोकेट, वरिष्ठ समाजसेवी नवीन कश्यप, संजीव कश्यप, राहुल कश्यप, अमित कश्यप, राकेश कश्यप, मनोज काश्यप, आदि मौजूद रहे।

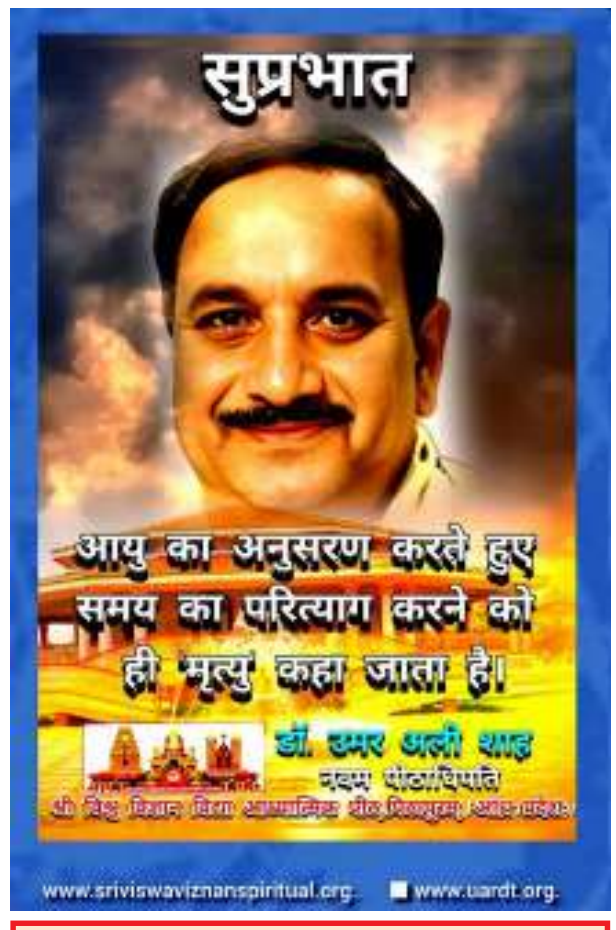

भजिए सीता राम

(कुण्डलिया)

खो देने के बाद ही, हुआ उन्हें यह ज्ञान।
मानवीय संबंध ही,दुख में रखते ध्यान।
दुख में रखते ध्यान, मुनाफा भी अपना तज।
सेवा ही संकल्प , नहीं कुछ इसमें अचरज।
कहते आज प्रदीप, चलो जागो मत सोओ।
थोड़ा–सा कर काम,खेलना मिलजुल खो खो।।

मिलजुल कर रहिए सदा, भजिए सीता राम।
नवमी का शुभ दिन यही,देता है पैगाम।
देता है पैगाम, भजन हरि का जो गाएँ।
मिलता उन्हें प्रसाद, वही हरि–दर्शन पाएँ।
सुन लो सखे प्रदीप, लगे सुन्दर घर बाबुल।
रहें जहाँ खुशहाल, जीव बन्धन सब मिलजुल। ।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

समाजवादी पार्टी ने हर्ष के साथ मनाई महर्षि कश्यप, राजा निषादराज गुहय एवं सम्राट अशोक की जयंती

मुजफ्फरनगर। समाजवादी पार्टी जिला मीडिया प्रभारी साजिद हसन ने बताया कि समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर सभी महापुरुष की आस्था को मानते हुए उनकी जयंती हर्ष उल्लास मनाते हुए महर्षि कश्यप वह राजा निषाद राज तथा महान सम्राट अशोक की जयंती समाजवादी पार्टी कार्यालय पर मनाई गई समाजवादी पार्टी कार्यालय पर

जिला अध्यक्ष जिया चौधरी एडवोकेट महानगर अध्यक्ष पुष्पेंद्र बॉबी त्यागी तथा अन्य पदाधिकारी ने महर्षि कश्यप राजा निषाद राज तथा सम्राट अशोक की जयंती पर उनको नमन करते हुए उनके जीवन को सर्व समाज के लिए प्रेरणादायक बताया तथा उनके बताए गए मार्ग एवं विचारों सत्य वचनों को अपने का आह्वान किया समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता सत्येंद्र पाल द्वारा अपने संकल्प के अनुसार तीनों महापुरुष की तस्वीर शाहपुर से साइकिल चलाकर कार्यालय पर पर लाकर उनको नमन किया गया।

कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी जिला महासचिव चौधरी विकिल गोल्डी अहलावत जिला उपाध्यक्ष सोमपाल सिंह कोरी धर्मेंद्र सिंह नीटू प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य धनवीर कश्यप समाजवादी महिला सभा प्रदेश सचिव अनीता कश्यप समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव रामशरण कश्यप डॉक्टर डॉ अविनाश कपिल,अली शेर अंसारी अनैश कुमार,श्याम सुंदर,हुसैन राणा,नदीम मलिक, गगन मावी,विशाल शर्मा,जाउल चौधरी,राहुल कश्यप,अंकित शर्मा,मौ मेंहदी सहित अनेक सपा पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रज्जू भय्या विवि में रोजगार मेले का आयोजन

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय में शनिवार को वृहद रोजगार मेला 2025 का आयोजन किया गया। जिसमें दिल्ली, नोएडा, गुड़गांव, लखनऊ, एनसीआर आदि बड़े शहरों की पच्चीस

प्रतिष्ठित कंपनियों के सदस्यों द्वारा कैंपस के विद्यार्थियों का साक्षात्कार लिया गया। सर्वप्रथम विश्वविद्यालय द्वारा कंपनी के समस्त एच आर, सदस्यों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। वृहद रोजगार मेले के उद्घाटन अवसर पर कैंपस प्लेसमेंट सेल अधिकारी डॉ. प्रियंका सक्सेना के स्वागत भाषण के पश्चात विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि अभिव्यक्ति, ज्ञान, योग्यता, एवं बुद्धि कुशलता रोजगार परक जीवन के क्रियान्वित आयाम हैं जिसके बल पर युवा सक्षम बन सकते हैं। अनीता बिजनेस सर्विस के प्रमोद कुमार यादव, टेक्नोज माइंड्स जे एस ग्लोबल कंपनी की शिवानी सैनी तथा एच डी एफ सी बैंक के एच आर अजय गौतम ने विद्यार्थियों को सफलता के अनेक सूत्र बताये। मंचस्थ अतिथि कुलसचिव संजय कुमार,अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. विवेक कुमार सिंह, कुलानुशासक प्रो. राजकुमार गुप्त, डी एस डब्ल्यू प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन के द्वारा विद्यार्थियों में आत्मविश्वास रुपी ऊर्जा का संचार किया।

सम्पादकीय.....

टैरिफ की चुनौती

पूरी दुनिया को टैरिफ युद्ध की चेतावनी देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ने अब इसे हकीकत बना दिया है। तमाम विकासशील व विकसित देशों के साथ भारत भी इसकी जद में आया है। मौके की नजाकत को समझते हुए भारत ने हालात से समझौता करने का निर्णय किया है। कमोबेश, इसके तहत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ के मुकाबले लगाए गए टैरिफ को स्वीकार कर लिया गया है। वहीं दूसरी ओर यूरोपीय संघ, चीन और कनाडा ने अपने–अपने देशों के आर्थिक हितों की रक्षा करने के लिये जवाबी कदम उठाने की तैयारी शुरू कर दी है। भारत के लिये अच्छी बात यह है कि हमारे मुख्य प्रतिस्पर्धी–चीन, वियतनाम,बांग्लादेश और थाईलैंड पर हम से कहीं अधिक शुल्क लगाया गया है। नई दिल्ली को यह भी उम्मीद है कि वाशिंगटन के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर काम चल रहा है, जिसके जरिये घरेलू उद्योग को टैरिफ वृद्धि के दुष्प्रभावों से निपटने में मदद मिल सकती है। वैसे देखा जाए तो भारत के लिये प्रतिकूल परिस्थितियों में भी एक अवसर मौजूद हैं। इस दौरान भारत को व्यापार करने में आसानी बढ़ाने तथा लाभांश प्राप्त करने के लिये अपने बुनियादी ढांचे में अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। इससे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी बल मिलेगा। ध्यान रहे कि ऐसा ही अवसर भारत के सामने तब भी आया था जब कोविड–19 महामारी के चलते चीन के उत्पादन की रफ्तार धीमी हो गई थी। चीन ने ऐसा कदम लंबे समय से चली आ रही जीरो टॉलरेंस की कोविड नीति के चलते उठाया था। जिसके चलते अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों को विकल्प तलाशने के लिये प्रेरित किया था। लेकिन भारत इसके बावजूद हालात का ज्यादा लाभ नहीं उठा पाया था। विडंबना ये रही कि वियतनाम और थाईलैंड वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में उत्पन्न व्यवधानों का अधिकतम लाभ उठाने में भारत से आगे निकल गए। अतीत से सबक लेकर भारत को नई स्थितियों का लाभ उठाने के लिये बेहतर ढंग से तैयार रहना चाहिए। वैसे इन हालात में बहुत कुछ भारत की तुलना में ट्रंप के टैरिफ से अधिक प्रभावित देशों की प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगा। इन स्थितियों में एक चिंताजनक संभावना यह भी है कि चीन और वियतनाम जैसे देश पहले से ही अमेरिका के लिये निर्धारित अपने निर्यात को भारत में भेजने की कोशिश कर सकते हैं। जिसमें कम लागत वाले सामानों के जरिये भारतीय बाजारों को प्रभावित करने की कोशिश की जा सकती है। भारतीय बाजार तो पहले ही चीन के सस्ते उत्पादों से पटे पड़े हैं। जिससे दोनों देशों में व्यापार असंतुलन की स्थिति बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023–24 के वित्तीय वर्ष में दोनों देशों के बीच व्यापार में हमारा घाटा 85 बिलियन डॉलर तक जा पहुंचा है। वैसे चिंता की बात यह भी है कि भारत ने बीजिंग के साथ व्यापार घाटे को कम करने की दिशा में कुछ खास कदम नहीं उठाये हैं। हालांकि, भारत ने कुछ चीनी उत्पादों पर एंटी–डंपिंग ड्यूटी जरूर लगाई है। इसका मकसद स्वदेशी उत्पादों को पड़ोसी देश के सस्ते आयात से संरक्षण देना ही था। ऐसे में ट्रंप के टैरिफ से होने वाले नुकसान को कम करने की योजना को लागू करते वक्त इस बात को सुनिश्चित करने के प्रयासों के साथ चलना होगा कि कहीं चीन भारत को प्रतिस्पर्धा के बाजार में शिकस्त न दे दे। आज जब भारत दुनिया का सबसे अधिक युवाओं वाला देश है तो हमें अपनी श्रमशक्ति के बेहतर उपयोग की दिशा में गंभीरता से सोचना होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात है कि हम कौशल विकास पर अपना ध्यान केंद्रित करें। कुशल कामगारों से हम वैश्विक चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हो सकते हैं। साथ ही विदेश निवेश बढ़ाने के साथ ही घरेलू निवेश को गति देने की दिशा में गंभीरता से सोचना होगा। अमेरिका समेत अन्य देशों में जो मंदी की आहट महसूस की जा रही है, उससे हम तभी अपनी अर्थव्यवस्था को सुरक्षा दे सकेंगे। निस्संदेह, आने वाले दिनों में यह टैरिफ युद्ध दुनिया में और अधिक विस्तार ले सकता है। भारत को अपने निर्यात को अन्य देशों में बढ़ाने की दिशा में भी सोचना होगा।

संविधान से बड़ी छेड़छाड़ का रास्ता खुला

–राजेश माहेश्वरी

यह ऐसा समय है जब उन्हें समझना होगा कि कौन से राजनीतिक दल और व्यक्ति उनका वाकई भला चाहते हैं और किन दलों ने इस विधेयक को पारित कराने में सहयोग देकर उन्हें कमजोर करने का मार्ग प्रशस्त किया है।

अपनी संख्या बल के आधार पर चाहे भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली नेशनल डेमोक्रेटिक एलांयस (एनडीए) की सरकार ने देश के वक्फ कानून में अपनी मर्जी का बदलाव करने में सफलता पा ली हो, लेकिन जो संदेश इसे पारित करने के लिये, खासकर लोकसभा में हुए मतदान ने जनता को दिया है उससे सम्भवतरू देश के अल्पसंख्यकों को यह जानने में मदद मिलेगी कि उनकी जगह क्या है, उनके खैरख्वाह कौन हैं और कौन अहित चाहते हैं। लोकसभा ने बुधवार को 288 के मुकाबले 232 वोटों के बहुमत से वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 को पारित कर दिया तथा गुरुवार को राज्यसभा में दिन भर से इस पर चर्चा जारी है। इस सदन में 236 सदस्य हैं। बिल को पास करने के लिये 119 सदस्य चाहिये जबकि भाजपा के इसमें 98 सदस्य हैं। लोकसभा में इस विधेयक के पक्ष में विरोधी खेमे के 5 सदस्यों के वोट पड़े थे। राज्यसभा में भाजपा आवश्यक आंकड़ा प्राप्त करती है या नहीं, यह देखना होगा। हालांकि इस सदन में प्रस्ताव गिर भी जाये तो भी सरकार को फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि बाद में उसे दोबारा भेजकर संवैधानिक नियमों के तहत पारित करा ही लिया जायेगा। इसे उच्च सदन पूरी तरह से रोक नहीं पायेगा। इस कानून के एक तरह से अस्तित्व में आ जाने के बाद अब वक्त है कि अल्पसंख्यक, विशेषकर मुस्लिम सोचें कि उन्हें आगे क्या करना है। यह ऐसा समय है जब उन्हें समझना होगा कि कौन से राजनीतिक दल और व्यक्ति उनका वाकई भला चाहते हैं और किन दलों ने इस विधेयक को पारित कराने में सहयोग देकर उन्हें कमजोर करने का मार्ग प्रशस्त किया है। वैसे तो मतदान का जो पैटर्न दिखा तथा विधेयक के पक्ष–विपक्ष में जो तर्क दिये गये, वे बता देते हैं कि कौन सा दल उनके पक्ष में खड़ा है। कोई यह न सोचे कि यह पैटर्न वक्फ कानून पर मतदान तक ही सीमित रहेगा। पहली बार 8 अगस्त, 2024 को जब यह विधेयक संसद में पेश हुआ था, तब उस पर हुई चर्चा, तत्पश्चात उसे संयुक्त संसदीय समिति में भेजे जाने तक कुछ दलों का रवैया आश्चर्यजनक ढंग से तथा उम्मीदों के विपरीत भाजपा के प्रति सहयोगात्मक रहा। ये वे दल हैं जो वक्फ कानून पर सरकार से बात कर सकते थे। इनमें से कम से कम दो तो ऐसी पार्टियां हैं ही जो अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षक मानी जाती रही हैं और उन्हीं पर सरकार टिकी हुई है। यदि एक बार भी वे समर्थन वापसी की धमकी देते तो यह विधेयक भाजपा सरकार अलमारी में बन्द कर देती। ये दोनों दल हैं– आंध्रप्रदेश की तेलुगु देसम पार्टी और बिहार की जनता दल यूनाइटेड जिसके क्रमशः 16 और 12 सदस्य हैं। दोनों ही अल्पसंख्यक समर्थक पार्टियां कहलाती हैं लेकिन इस विधेयक को उनके मिले समर्थन ने यह भरम तोड़ दिया। इस विधेयक पर चर्चा ने सियासी समीकरणों को तथा सत्ता के लिये विचारधारा की कुर्बानियों को और भी स्पष्ट कर दिया है। इस कानून को पारित कराकर भाजपा यह बताने में कामयाब रही है कि इस लोकसभा के चुनाव में उसे चाहे कम सीटें मिली हों लेकिन जनता अब भी उसके साथ है तथा एनडीए को कोई खतरा नहीं है। जेडीयू व टीडीपी के सांसदों के अलावा राष्ट्रीय लोक दल के जयंत चौधरी, हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के जीतनराम मांझी एवं जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के चिराग पासवान से भी अल्पसंख्यकों व धर्मनिरपेक्षता में यकीन करने वालों को उम्मीद थी कि वे उनके पक्ष वाली लाइन पर चलेंगे लेकिन वे भी सरकार के साथ रहे। इनमें से कई मंत्री व सांसद तो अपने भाषणों में भाजपा ही नहीं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को भी मात देते हुए नजर आये। कोई यह न समझे कि संदेश केवल अल्पसंख्यकों से सम्बन्धित इस विधेयक तक ही सीमित है। यही हाल दलितों व ओबीसी से सम्बन्धित किसी भी फैसले के वक्त होगा– फिर चाहे वह उनके खिलाफ ही क्यों न हो। यह अवसर न केवल अल्पसंख्यकों को राजनीतिक विचारधारा तथा सियासी दलों के साथ अपनी प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार करने का है, बल्कि दलितों, अन्य पिछड़े वर्गों, अति पिछड़े वर्गों और आदिवासियों के बारे में यह कहा जा सकता है। सत्ता सुख के लिये ये पार्टियां वक्फ कानून को समर्थन दे सकती हैं तो आश्चर्य नहीं होगा अगर ये दल दलितों, ओबीसी और आदिवासियों के हितों पर कुठाराघात करने वाले निर्णयों पर भी सरकार का साथ दें। इस विधेयक ने अल्पसंख्यकों, दलितों, ओबीसी तथा आदिवासियों को यह सोचने का अवसर भी दिया है कि वे देखें कि उन्होंने अपनी नुमाइंदगी किन लोगों और सियासी दलों के हाथों में सौंप रखी है।

एनडीए के उन दलों को वक्फ कानून पर न्यूनतम सतर्कता बरतनी चाहिये थी जिनका सामाजिक न्याय में विश्वास है, परन्तु वे यदि वक्फ कानून में आये इन बदलावों के दुष्परिणामों को समझने में नाकाम हैं तो उनसे उम्मीद नहीं की जा सकती कि वे आगे किसी भी मामले में नरेन्द्र मोदी को आंखें दिखा सकेंगे। इस विधेयक के पारित होने से विपक्षी गठबन्धन की एकता की आवश्यकता पुनरू प्रतिपादित हुई है। पहले कई बार सोचा जाता था कि अल्पमत वाली मोदी सरकार अल्पसंख्यकों, दलितों, ओबीसी, आदिवासियों आदि से सम्बन्धित कानूनों व प्रावधानों को छूकर अपने लिए मुसीबत मोल नहीं लेगीय लेकिन इस सफलता से वह उत्साहित होकर संविधान से बड़ी छेड़छाड़ भी कर सकती है।

नागरिकों के सिर की छत ऐसे नहीं गिराई जा सकती

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

एक आठ साल की बच्ची बुलडोजर से ढहते और जलते हुए घर से अपनी किताबें निकालकर दौड़ती है ताकि यह तबाही उसकी पढ़ाई को न रौंद दे। यह दृश्य वाकई बहुत क्रूर है, संविधान के मौलिक अधिकारों का हनन है और भारत का कानून कभी इसकी अनुमति नहीं देता है। कघनून इस बात की भी इजाजत नहीं देता है कि पुलिस मुठभेड़ में मार दिए गए आरोपी के परिवार के घरों को शासन का अमला जमींदोज कर दे और फिर प्रचारित करे कि यह हमारा बुलडोजर जस्टिस है। यह भारतीय संविधान की उस भावना की भी अवहेलना है जो मानती है कि अपराध साबित होने तक हर आरोपी निर्दोष है, किसी एक के अपराध की सजा उसके परिवार को नहीं दी जा सकती। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के दो जज जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की संयुक्त पीठ ने कहा–नागरिकों के सिर की छत ऐसे नहीं गिराई जा सकती। ये मामले हमारे विवेक को झकझोर देते हैं। यह कघनून और मानवता के खिलाफ है। कोर्ट ने बुलडोजर न्याय को बुलडोजर अन्याय साबित करते हुए प्रत्येक परिवार को दस–दस लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश भी दिया। केवल आरोप और शक के आधार पर किसी का घर बुलडोज कर देने की यह बीमारी भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों के साथ छूत की तरह अन्य राजनीतिक दलों को भी लग रही है। सवाल यह है कि यह लोकतांत्रिक ढंग से चुनी हुई सरकारें ऐसे तमाम फंडे क्यों अपनाने लग जाती हैं कि लगता है जैसे देश में कघनून का राज समाप्त हो गया हो? उत्तर प्रदेश सरकार के वकील का तर्क था कि दस लाख के मुआवजे की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि अपील करने वालों के पास नए घर हैं, तब सर्वोच्च न्यायालय ने लगभग फटकार लगाते हुए कहा कि इससे प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को गलती का एहसास होगा और प्राधिकरण भविष्य में कानूनी प्रक्रिया का पालन करना याद रखेगा। वैसे देखने में यही आया है कि सरकारें ऐसी घटनाओं को गलत नहीं मानतीं। तभी प्रदेश के मुख्यमंत्री ने भी कह दिया है कि बुलडोजर का उपयोग जरूरत है, कोई उपलब्धि नहीं। मामला करीब चार साल पुराना है। मार्च 2021 में प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने लूकरगंज क्षेत्र के मकानों को केवल एक दिन के नोटिस पर बुलडोजर से ढहा दिया। इसका वायरल वीडियो, जिसमें एक आठ साल की बच्ची आग और बुलडोजर से अपनी किताबों को बचा रही है, वह पिछले माह का है। दृश्य, जिसने सर्वोच्च अदालत की अंतरात्मा को झकझोर दिया था, उसमें उत्तरप्रदेश के अंबेडकर नगर के अरई गांव की बच्ची अनन्या यादव है। वह पहली कक्षा में पढ़ती है। उस दिन 24 मार्च को उसने रोज की तरह स्कूल से आकर अपने छप्पर में बस्ता रखा ही था कि आग लग गई। उस छप्पर में अनन्या का परिवार जानवरों को बांधता है। एक तरफ आग लगी थी, दूसरी ओर पुलिस तथा नगर निगम का अमला उसके घर को जमींदोज करने में लगा था। बच्ची ने एक रिपोर्टर को बताया कि उसे डर था कि अगर उसकी किताबें जल गई तो दोबारा नहीं मिलेंगी। इसके लिए वह आग में भी चली गई। नाम के मुताबिक यह बच्ची अनन्या (उस जैसा कोई नहीं) ही है लेकिन यह कितना डरावना है कि सरकारें कोई भी हों, अतिक्रमण हटाने के नाम पर आए दिन घरों को उजाड़ती हैं। ये दस्ते जब इन जगहों पर पहुंचते हैं तो चीत्कार का आलम होता है। इनके बुलडोजरों के आगे घर की महिलाएं लेट जाती हैं, हाथ जोड़ती हैं, आंसुओं से विनती करती हैंय लेकिन किसी का दिल नहीं पसीजता। ये सब जैसे एक राक्षस में तब्दील होकर हुकुम की तामील में लग जाते हैं। इन पीड़ितों के चेहरे उन चेहरों से कतई अलग नहीं होते जो युद्ध और दंगा पीड़ितों के होते हैं। इनकी आखों में उसी भय और पीड़ा को पढ़ा जा सकता है। अफसोस कि प्रशासन के दिल और दिमाग भी इन्हीं बुलडोजरों जैसे सख्त होते हैं और अब सख्ती को ही उन्होंने अपना शगल बना लिया है। सवाल यही है कि इस शासन के पीछे जो नेता हैं वे क्यों जनता के समर्थन से जीतने के बाद जनता का ही दमन करने लगते हैं? पूछने पर इस सवाल का प्रभावी जवाब एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से आता है। उसके मुताबिक बहुत बार ऐसा होता है कि लोकतांत्रिक तरीके से ही तानाशाह भी सत्ता में आ जाते हैं। अपनी हार के डर से वे संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करते हैं, विपक्ष की आवाज को दबाते हैं और स्वतंत्र मीडिया को मौन कर देते हैं। आलोचकों और विरोधियों को चुप करने के लिए कानूनी पेंचों का इस्तेमाल करते हैं और कभी–कभार कघनून बदलकर अपनी ताकघ्त बढ़ाते हैं। मकसद केवल एक होता है– सत्ता लंबे वक्त तक उनकी बनी रहे। कोई–कोई तो हमेशा के लिए। देशों की बात करें तो रूस और चीन के राष्ट्राध्यक्ष आजीवन पद पर बने रहने का इंतजाम कर चुके हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी अमेरिकी संविधान में संशोधन करना चाहते हैं ताकि तीसरी बार सत्ता संभाल सकें। कायदे से वहां एक व्यक्ति केवल दो बार राष्ट्रपति बन सकता है। यह अलग बात है कि वहां के लोग अब पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को भी तीसरी बार पद पर देखने की ख्वाहिश □ाहिर कर रहे हैं। बुलडोजर राज पर लौटते हैं। आखिर छह महीने पहले भी क्यों सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा था कि एक पखवाड़े तक बुलडोजर नहीं चलेगा तो कोई आसमान नहीं टूट पड़ेगा? न्यायालय की टिप्पणी थी कि, कानून दरअसल किसी के भी घर को महज इसलिए गिराए जाने की आज्ञा नहीं देता कि वे किसी मामले में आरोपी हैंय और ऐसा तो किसी दोषी के मामले में भी नहीं किया जा सकता। न्यायपालिका उस राजनीतिक प्रतीकवाद से बेखबर नहीं रह सकती जिसमें बुलडोजर प्रशासन द्वारा दंगाई बताये गये लोगों को सामूहिक दंड देने का उपकरण बन गया है।

बीते साल छह राज्यों में 1933 आरोपियों की संपत्ति पर बुलडोजर चले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 1535 कार्रवाइयां उत्तरप्रदेश में हुई हैं। उसके बाद मध्यप्रदेश (259), हरियाणा (64), गुजरात (55), राजस्थान (10) और दिल्ली (10) हैं। उत्तरप्रदेश में 2017 में पहली बार बुलडोजर चला था तब 13 बाहुबलियों के मकान ढहा दिए गए थे। इसके बाद 8 पुलिसकर्मियों की हत्या के गैंगस्टर विकास दुबे की 100 करोड़ से भी ज़्यादा की संपत्ति को मिट्टी में मिला दिया गया। त्वरित न्याय का चस्का सत्ता को ऐसा लगा कि फिर विकास दुबे को ही मुठभेड़ में मार दिया गया। कानपुर के बाद यही प्रयागराज में हुआ। इस मामले में गैंगस्टर अतीक पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। एक पल के लिए मान भी लिया जाए कि वे दुर्दांत अपराधी रहे होंगे, लेकिन क्या फिर इसी न्याय व्यवस्था को हमारे गणतंत्र की व्यवस्था मान लिया जाए? आमजन में डर पैदा करना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार का मकसद कैसे हो सकता है? ऐसी व्यवस्था में बड़े हुए बच्चे कैसे नागरिक बनेंगे? अनन्या यादव अधिकारी बनना चाहती है लेकिन ऐसे हादसे कैसे उसे सहज और मजबूत रखेंगे? अच्छी बात यही है कि छह अपीलकर्ताओं को सुप्रीम कोर्ट ने मुआवजे का निर्देश दिया है। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के उर्दू विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष अली अहमद फातमी, जिनका घर बुलडोजर से ढहा दिया था, उनकी लाइब्रेरी और सैकड़ों किताबें भी इस कार्रवाई में जमींदोज कर दी गईं थीं, कहते हैं–जिस घर में रह रहे थे, उसका गिरना बहुत दर्द भरा था लेकिन बहुत शुक्रगुजार हूं कि सुप्रीम कोर्ट ने इस दर्द को समझा।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं)

म्यांमार सैन्य शासन का सशस्त्र विद्रोहियों को राजनीतिक

डॉ. नीलांजन बानिक

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने चीनी आयात पर 20 प्रतिशत और केनेडाई और मैक्सिकन वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया। केनेडा ने 20.7अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के अमेरिकी निर्यात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाकर जवाबी कार्रवाई की। यदि 21 दिनों के बाद ट्रम्प टैरिफ में कटौती नहीं करते हैं, तो इस प्रतिशोध को 86.2अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के सामानों तक बढ़ाने की संभावना है। चीन ने पहले भी विभिन्न अमेरिकी निर्यातों पर 10 से 15 प्रतिशत टैरिफ लगाकर जवाबी कार्रवाई की है। भारत पर टैरिफ 2 अप्रैल, 2025 से शुरू होने वाले हैं। अमेरिका केनेडा का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। इसलिए, केनेडा अत्यधिक असुरक्षित है। विशुद्ध रूप से संख्याओं (विशेष रूप से जीडीपी के प्रतिशत के रूप में व्यापार) के आधार पर, यह स्पष्ट है कि केनेडा और मैक्सिको को ट्रम्प के टैरिफ से सबसे अधिक नुकसान होने की संभावना है। विशेष रूप से, स्टील पर 25 प्रतिशत टैरिफ और एल्युमीनियम उत्पादों पर 10 प्रतिशत टैरिफ के साथ–साथ विभिन्न अन्य वस्तुओं पर टैरिफ के कारण। यूनाइटेड स्टेट्स–मेक्सिको–केनेडा समझौते (यूएसएमसीए) के तहत, इन देशों को व्यापार में न्यूनतम बाधाओं के साथ अमेरिकी बाजार में अपेक्षाकृत खुली पहुंच प्राप्त थी। टैरिफ के कारण केनेडाई निर्माताओं की लागत बढ़ गयी, जिससे उनके ऑटोमोबाइल जैसे सामान अमेरिकी बाजार में कम प्रतिस्पर्धी हो गये। जवाबी कार्रवाई में, केनेडा ने सोयाबीन, डेयरी उत्पाद, केचप, व्हिस्की और गद्दे जैसे उत्पादों सहित 12अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य के अमेरिकी सामानों पर टैरिफ लगाया, जिससे केनेडाई निर्यात पर निर्भर अमेरिकी कंपनियों की लागत बढ़ गयी। केनेडा अमेरिकी ईवी निर्माता टेस्ला पर 100 प्रतिशत कर लगाने पर सक्रिय रूप से विचार कर रहा है। देश अमेरिकी ग्राहकों को बिजली पर अधिभार लगाने की भी योजना बना रहा है। चीनी और केनेडाई निर्मित ऑटोमोबाइल घटकों पर टैरिफ लगाने के ट्रम्प के फैसले से अन्य अमेरिकी कार निर्माता भी प्रभावित हो रहे हैं। इसी तरह, मेक्सिको को भी महत्वपूर्ण व्यापार व्यवधानों का सामना करना पड़ा। विशेष रूप से स्टील और एल्युमीनियम पर टैरिफ ने मैक्सिकन उद्योगों को प्रभावित किया, जो इन कच्चे माल के अमेरिकी निर्यात पर निर्भर हैं। दूसरी ओर, चीन ने रणनीतिक रूप से अपने उत्पादन आधार को मेक्सिको में स्थानांतरित कर दिया, जिससे उन पर लगाये गये टैरिफ के शुरुआती प्रभाव को प्रभावी ढंग से कम किया जा सका। चीन ने ट्रम्प 1.0 से अपने सबक सीखे। इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी और उपभोक्ता उत्पादों सहित उद्योगों में सैकड़ों अरबों डॉलर के चीनी निर्यात पर 2018 में लगाये गये अमेरिकी टैरिफ से चीन बुरी तरह प्रभावित हुआ था। बदले में, चीन ने सोयाबीन, मांस और मुर्गी, कार और रसायनों जैसे अमेरिकी सामानों पर टैरिफ लगाकर जवाबी कार्रवाई की। इसके बजाय, वे अब अपने अधिकांश सूअर के मांस को स्पेन, जर्मनी और फ्रांस से खरीदते हैं, और ब्राजील और वेनेजुएला से सोयाबीन और कॉफी जैसी कृषि वस्तुओं की खरीद करते हैं। 2018 में अमेरिका–चीन व्यापार युद्ध के बढ़ने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बुरी तरह से बाधित हुई, खास तौर पर इन दोनों देशों से जुड़ी आपूर्ति श्रृंखला। तब से, चीन ने अपने उत्पादन आधार को रणनीतिक रूप से बदलना शुरू कर दिया। चीन ने अमेरिका पर अपनी व्यापार निर्भरता को सफलतापूर्वक कम कर दिया है। कुल अमेरिकी व्यापार में चीन की हिस्सेदारी– जिसे निर्यात और आयात के योग के रूप में मापा जाता है– 2018 में 15.7 प्रतिशत से घटकर 2024 में 10.9 प्रतिशत हो गयी। इसी अवधि में चीन के कुल व्यापार में अमेरिका की हिस्सेदारी 13.7 प्रतिशत से घटकर 11.2 प्रतिशत हो गयी। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई ने चीन पर अपने स्टील उत्पादों को मैक्सिकन के रूप में फिर से भेजने का आरोप लगाया, ताकि अवैध रूप से अमेरिकी बाजार में प्रवेश किया जा सके। 2023 में मैक्सिकन वस्तुओं का कुल अमेरिकी आयात + 475अरब था, जो 2022 के आंकड़े से लगभग + 20अरब अधिक है। 2023 में चीन से अमेरिका द्वारा आयातित वस्तुओं की कुल मात्रा 427अरब अमेरिकी डॉलर थी, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर कम है। कुल परिणाम कम से कम 30 चीनी फर्म वर्तमान में मेक्सिको से काम कर रही हैं, जिनमें बीवाईडी और चेरी इंटरनेशनल जैसी चीनी ऑटोमोबाइल प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। चीन ने पिछले कुछ वर्षों में मेक्सिको में 30 प्रतिशत अधिक एफडीआईडाला है। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि चीनी अधिक आक्रामक हैं, खुले तौर पर कह रहे हैं कि वे व्यापार युद्ध में शामिल होने से डरते नहीं हैं। भारत के लिए, अमेरिका पर व्यापार निर्भरता केनेडा और मेक्सिको की अमेरिका के साथ व्यापार निर्भरता के स्तर की तुलना में उतनी अधिक नहीं है। अमेरिका को भारत द्वारा किये जाने वाले मुख्य निर्यात में परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पाद, रत्न और आभूषण, परिधान और वस्त्र, इंजीनियरिंग सामान और दवा उत्पाद शामिल हैं। इनमें से, ट्रम्प ने दवाइयों की वस्तुओं पर टैरिफ लगाने का उल्लेख किया, जो अंततरू उल्टा पड़ सकता है क्योंकि इससे अमेरिका में दवा की लागत बढ़ जायेगी। इस बार ट्रम्प का टैरिफ काम नहीं कर रहा है, इसके स्पष्ट संकेत हैं। नवीनतम अमेरिकी आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि जनवरी में 4 प्रतिशत से फरवरी 2025 में अमेरिका में बेरोजगारी दर बढ़कर 4.1 प्रतिशत हो गयी। इस वृद्धि का श्रेय व्यापार नीतियों में अनिश्चितता और संघीय सरकार के व्यय में भारी कटौती को दिया जा सकता है। वॉल स्ट्रीट तब से क्रैश हो गयी है। केनेडा अपने कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस चीन और यूरोपीय संघ को बेचने की उम्मीद कर रहा है, जो मूल रूप से अमेरिका के लिए निर्धारित था। मेक्सिको भी अमेरिकी रिफाइनरियों को भेजे जाने वाले कच्चे तेल की कीमतों पर अंकुश लगाने पर विचार कर रहा है। डील के विपरीत, केनेडा को यूरोपीय संघ और चीन से दुर्लभ खनिज सामग्री मिलेगी। अमेरिकी टैरिफ नीति अंततः आर्थिक अलगाव की ओर ले जा सकती है और समय के साथ रणनीतिक खतरों के खत्म होने के बाद टैरिफ पर अंतिम विराम भी लग सकता है। वास्तव में, टैरिफ अमेरिका के लिए कभी काम नहीं किया। आंकड़े दिखाते हैं कि अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान ट्रम्प द्वारा प्रमुख टैरिफ घोषणा के बाद भी चीन के साथ अमेरिकी व्यापार घाटा बढ़ता रहा। बराक ओबामा के कार्यकाल (2009–2016) के दौरान हर साल चीन के साथ अमेरिका का औसत व्यापार घाटा 311अरब अमेरिकी डॉलर था। ट्रम्प के पहले कार्यकाल (2017–2020) में यह औसत व्यापार घाटा 361अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ गया। इसके बाद जब जो बाइडेन राष्ट्रपति बने (2021–2024) तो यह घटकर 327अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। भारत के लिए सबक बहुत स्पष्ट है।

चित्रांगदा सिंह

जैसा काम करना चाहती हूं, वैसा मिलता नहीं, पर कम काम के बावजूद लोग मुझे भूले नहीं हैं

बॉलीवुड एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह एक बार फिर चर्चा में हैं। वो नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज श्खाकीरू द बंगाल चौप्टरश से ओटीटी पर डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने बताया कि आखिर वो इतना कम काम क्यों करती हैं। आइये इस इंटरव्यू में जानते हैं कि उन्होंने और क्या–क्या कहा है। पढ़ें। श्खाकीरू द बंगाल चौप्टरश से वेब सीरीज में डेब्यू करने जा रही हैं चित्रांगदा सिंह उन्होंने खुलासा किया कि वो कम काम क्यों करती हैं एक्टिंग के अलावा वो वेब सीरीज को भी प्रोड्यूस कर रही हैं अपनी पहली ही फिल्म श्हजारों ख्वाहिशें ऐसीमें गीता राव के किरदार से लोगों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह स्क्रीन पर काफी कम नजर आती हैं। चित्रांगदा इसकी वजह मनमाफिक फिल्में ना मिलना बताती हैं। इन दिनों वह अपनी डेब्यू वेब सीरीज श्खाकीरू द बंगाल चौप्टरश को लेकर चर्चा में हैं। ऐसे में, हमने उनसे की खास बातचीतरू आपके चाहने वालों को शिकायत है कि आप काफी कम काम करती हैं। ऐसा क्यों? हां, मेरा काम थोड़ा काम है। मैं ये मानती हूं कि अभी तक का मेरा बॉडी ऑफ वर्क इतना ज्यादा नहीं है, लेकिन फिर भी दर्शकों ने मुझे याद रखा है। वे अभी तक मुझे भूले नहीं हैं। ऐसा नहीं है कि मैं काम करना नहीं चाहती हूं या ऐसा सोचकर चलती हूं कि कम काम करना है, मगर अच्छा काम या जो काम मैं करना चाहती हूं, वो मिलता नहीं है और जो नहीं करना चाहती हूं, वैसा ही काम आता है। वो होता है ना कि जो आप नहीं करना चाहते, वही ज्यादा आता है। लेकिन अभी मेरी दो और फिल्में (हाउसफुल 5 और रात अकेली है 2) आएंगी तो प्लीज उन फिल्मों को देखिए और मुझे सपोर्ट कीजिए,क्योंकि थोड़ा अभी काम आ रहा है तो अब आप मुझे ज्यादा देखेंगे। शुरुआत खाकीरू द बंगाल चौप्टर से हुई है, जो मेरी डेब्यू सीरीज है। मेरा बड़ा मन था कि मैं नीरज पांडे के साथ काम करूं, तो साल की शुरुआत में वो हुआ है। अभी दो और फिल्में आनी हैं, तो मैं बहुत उत्साहित हूं। ऐसा नहीं है कि मैं काम करना नहीं चाहती हूं या ऐसा सोचकर चलती हूं कि कम काम करना है, मगर अच्छा काम या जो काम मैं करना चाहती हूं, वो मिलता नहीं है अमिताभ बच्चन के नाम का सिंदूर क्यों लगाती हैं रेखा? 44 साल बाद भी खत्म नहीं हुआ प्यार! हनीफ जावेरी ने किया दावा अमिताभ बच्चन और रेखा की अधूरी प्रेम कहानी... जिसको लेकर तमाम तरह की अटकलें हैं, अफवाहें हैं, दावे हैं। इतने साल बीत जाने के बाद भी इनके प्यार की चर्चा होती है। एक बार जया बच्चन ने रेखा को लंच के लिए अपने घर पर इनवाइट किया था, जहां उन्होंने अपने पति अमिताभ बच्चन के सामने ये स्पष्ट कर दिया था कि वो उनके पति हैं और वो किसी और को उन्हें पाने नहीं देंगी। ये रेखा की लाइफ का सबसे अहम मोड़ था, जहां उन्होंने कथित तौर पर बिग बी को छोड़ने और शादी करने का फैसला किया। सीनियर राइटर और फिल्म इतिहासकाकर हनीफ जावेरी के अनुसार, रेखा अभी भी अमिताभ से प्यार करती हैं। वो कई बार पब्लिक प्लेस पर इशारों में इजहार भी करती हैं। हालांकि, रिश्ते में आगे बढ़ने और बिजनेसमैन मुकेश अग्रवाल से शादी करने का उनका फैसला कथित तौर पर जया की बिग बी को हमेशा के लिए अपने पास रखने की एक सीधी टिप्पणी से प्रेरित था। हनीफ जावेरी ने कहा, जब वो खुद कहती हैं कि वो अभी भी बच्चन से प्यार करती हैं तो ये सच है। रेखा ने उनसे काफी हद तक दूर रहने की कोशिश की थी। उन्होंने एक बिजनेसमैन मुकेश से शादी भी की थी। शादी नहीं चली। उन्होंने सुसाइड कर लिया। ये एक अलग कहानी है। उन्होंने कहा, लेकिन रेखा ने फैसला किया कि वो अमिताभ से शादी नहीं करेंगी और अमिताभ ने भी ये फैसला किया है। उनकी उम्र में शादी का सवाल ही नहीं उठता। लेकिन फिर भी, जो मैं देखता हूं और महसूस करता हूं, मुझे लगता है कि दोनों के बीच एक–दूसरे के लिए एक सॉफ्ट कॉर्नर है। और शायद यही प्यार है। रेखा के सिंदूर के बारे में पूछा जाने पर, जिसे अक्सर अमिताभ से जोड़ा जाता है, हनीफ ने जवाब दिया कि उनके जीवन, दिल और दिमाग में जो कुछ भी होता है, वो पूरी तरह से उनकी पसंद है और वो इसे सबसे बेहतर जानती हैं। हालांकि, जब लोग ऐसी चीजों को नोटिस करते हैं तो वे उनके बारे में कहानियां बनाने लगते हैं। हनीफ ने आगे कहा, श्लेकिन मैं कहूंगा कि वो अब इस बारे में इतनी सीरियस नहीं हैं। उनमें एक नरमी है। अगर अमिताभ के साथ कुछ गलत होता है तो उन्हें लगता है कि ऐसा नहीं होना चाहिए। इसी तरह अगर रेखा के साथ कुछ भी होता है तो अमिताभ को भी लगता है कि उनेक साथ ऐसा नहीं होना चाहिए। ये एक लगाव है। उन्होंने जया के गुस्सैल रवैये को लेकर भी कहा कि उनका सीरियस नेचर और सार्वजनिक रूप से गुस्से को दिखाना भी रेखा से जुड़ा हुआ है। वो अपनी ताकत का दावा करना चाहती थीं और दूसरों पर अपना प्रभुत्व दिखाना चाहती थीं। अमिताभ और जया की शादी साल 1973 में हुई थी। शादी के बाद ही अमिताभ की रेखा से मुलाकात हुई थी और फिर इनके रिश्ते की चर्चा होने लगी थी। खैर। अमिताभ अब 82 साल के हैं। जया 76 साल की हैं और रेखा 70 साल की हैं। अमिताभ और जया के दो बच्चे हैं– अभिषेक बच्चन और श्वेता नंदा। आपने फिल्म श्सूरमाश से फिल्म निर्माण में भी कदम रखा था। उस ओर आगे क्या कर रही हैं? खुद के लिए कोई फिल्म नहीं बना रहीं? श्सूरमाश के बाद हम अभी एक और बायॉपिक पर काम कर रहे हैं। इसके अलावा, एक वेब सीरीज भी प्रड्यूस कर रही हूं, जो मैंने लिखी भी है तो उसे लेकर भी मैं बहुत एक्साइटेड हूं। इनमें से एक प्रोजेक्ट में मैं हूं, जबकि दूसरे में मैं फिट नहीं होती हूं। सीरीज में आप बदलाव के लिए लड़ने वाली लीडर के किरदार में हैं, जिसने श्हजारों ख्वाहिशें ऐसीश की गीता राव की याद ताजा करा दी। शो करते हुए आपको भी ऐसा महसूस हुआ?बिल्कुल, मुझे सच में लगता है कि गीता राव अगर आज होती तो वहीं होती, जहां पर इस सीरीज का मेरा किरदार निवेदिता है। वह भी कॉलेज के दिनों में राजनीतिक चीजों में इन्वॉल्व थी। एक आदर्शवादी समाज के सपने के लिए सवाल खड़े करना, प्रोटेस्ट करना और बेहतर कल के लिए लड़ना, ये चीजों दोनों में हैं। फिर जो लुक था, कॉटन साड़ी और जब मैंने अपने बाल बांधे तो मुझे लगा कि ओह गॉड, अभी लगभग बीस साल हो गए हैं, मगर दोनों में कितनी समानता है, तो निश्चित तौर पर इसमें मुझे गीता राव की झलक दिखी। पॉलिटिकल किरदारों में आप हमेशा जंची हैं। किसी रियल लाइफ नेता की बायॉपिक करना चाहेंगी? रियल लाइफ नेता तो नहीं, मगर सुचित्रा सेन की जो फिल्म है आंधी, अगर उसका रीमेक हो, तो वो जरूर करना चाहूंगी। उन्होंने इतनी खूबसूरती से वो किरदार निभाया है, वो इतनी कमाल की ऐक्ट्रेस हैं और यह सिर्फ राजनीतिक किरदार निभाने की बात नहीं है, उसकी निजी जिंदगी में भी जो चीजें होती हैं, मतलब वो मर्दों की दुनिया में एक औरत की जंग वाली बात है। ऐसा अगर कुछ किरदार हो तो जरूर करना चाहूंगी। वैसे, रीमेक का इंतजार तो आपकी फिल्म हजारों ख्वाहिशें ऐसी का भी काफी समय से हो रहा है...। हां, मैं सुधीर (डायरेक्टर सुधीर मिश्रा) को बोलती रहती हूं।

सारा के लुक ने खींचा फैंस का ध्यान, सिल्वर शिमरी सूट में ढाया कहर

फिल्म प्रमोशन पर सारा अली खान सिल्वर शिमरी सूट और पलाजो में बेहद गॉर्जियस लग रही थीं, यहां देखें उनका...

रेड कटआउट ड्रेस में जॉर्जिया एंड्रियानी ने दिए किलर पोज

जॉर्जिया एंड्रियानी रेड कलर की कटआउट डिजाइन वाली ड्रेस में बेहद प्रिटी लग रहीं...

शहनाज गिल ने डीप नेक क्रॉप टॉप और जींस में लगाया ग्लैमर का तड़का, देखें फोटोज

शहनाज गिल ब्लू कलर के डीप नेक क्रॉप टॉप और डेनिम जींस में बेहद ग्लैमरस अंदाज में नजर आ रहीं...

स्वरा भास्कर अक्सर अपने बयानों के कारण विवादों में फंस जाती हैं। यही वजह है कि उन्हें सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया जाता है। हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक्ट्रेस के नाम से दो पोस्ट वायरल हो रहे थे। जिस पर अब स्वरा का रिएक्शन सामने आया है। एक्ट्रेस का कहना है कि यह दोनों पोस्ट उन्होंने शेयर नहीं किए हैं। स्वरा भास्कर के नाम से किए गए फर्जी पोस्ट स्वरा भास्कर के नाम से किए गए एक पोस्ट में विक्की कौशल और फिल्म छावा के मेकर्स पर नागपुर दंगे भड़काने का आरोप लगाया गया। तो वहीं दूसरी पोस्ट में कुणाल कामरा की तारीफ की और एकनाथ शिंदे के कार्यकर्ताओं की फटकार लगाई। वायरल पोस्ट में लिखा था, छावा फिल्म उकसावे वाली थी। विक्की कौशल और मेकर्स नागपुर दंगे के लिए जिम्मेदार हैं। फिल्म को बैन होना चाहिए। वहीं, दूसरे में लिखा था, श्कामरा का कॉमेडी शो एक आर्ट है। तोड़फोड़ के लिए शिंदे के सपोर्टर्स जिम्मेदार हैं। स्वरा ने फर्जी पोस्ट पर किया रिएक्ट स्वरा भास्कर ने वायरल पोस्ट का सच बताते हुए कहा कि यह पोस्ट उन्होंने शेयर नहीं किए हैं, ये फर्जी हैं। स्वरा ने एक्स पर लिखा, दक्षिणपंथी की तरफ से फैलाए जा रहे ये दोनों ट्वीट फर्जी हैं। इनमें से कोई भी ट्वीट मैंने नहीं किए हैं। प्लीज आप लोग अपने फैक्ट्स चेक कर लें।

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश टीवी के मोस्ट पॉपुलर कपल हैं. दोनों अक्सर एक दूसरे पर प्यार लुटाते नजर आते हैं. वहीं फैंस इस जोड़ी की शादी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. इस बीच करण कुंद्रा ने खुलासा किया है कि क्या वह इस साल तेजस्वी प्रकाश के साथ शादी करने की प्लानिंग कर रहे हैं या नहीं? क्या इस साल तेजस्वी संग शादी कर रहे हैं करण कुंद्रा? दरअसल हाल ही में, स्क्रीन ने करण कुंद्रा से बात की थी. इस दौरान एक्टर से जब उनकी शादी की प्लानिंग के बारे में पूछा गया को करण ने कोई भी डिटेल शेयर करने से इनकार कर दिया और कहा कि वह अभी इसे कंफर्म नहीं कर सकते. लाफ्टर शेफ्स एक्टर ने कहा, ष्मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं जानता. बहुत से लोग ऐसा चाहते हैं, लेकिन मुझे इस पर कोई कमेंट नहीं करना है. करण ने शादी के मेनू और जश्न को लेकर क्या कहा था? वहीं पिछले हफ्ते, करण ने कंफर्म किया था कि वह जल्द ही तेजस्वी के साथ शादी करने की प्लानिंग कर रहे हैं. आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में, लाफ्टर शेफ्स कंटेस्टेंट ने अपने बिग डे के बारे में एक्साइटिंग डिटेल शेयर की थी. उन्होंने शादी के मेनू के बारे में बात की और कहा, षबिल्कुल, मैं खाने का बहुत शौकीन हूं. लेकिन जब शादी के खाने की बात आती है, तो मैं इसे प्रोफेशनल्स पर छोड़ना चाहूंगा.ष करण ने आगे बताया कि वह किस तरह की शादी का जश्न चाहते हैं. उन्होंने कहा था, मुझे लगता है कि जब समय नजदीक आएगा, मैं इसके बारे में सोचना शुरू कर दूंगा. मैं इस बारे में सोचना शुरू कर दूंगा कि मैं इसे बड़ा या सिंपल चाहता हूं. मां ने तेजस्वी की करण संग इस साल शादी की थी कंफर्म इससे पहले, तेजस्वी प्रकाश की मां ने भी कंफर्स किया था। कि करण और तेजस्वीर इस साल के एंड में शादी के बंधन में बंध जाएंगे. एक्ट्रेस की मां सेलिब्रिटी मास्टरशेफ पर अपनी बेटी को सपोर्ट करने के लिए पहुंची थीं. जब उसने तेजस्वी की शादी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ष्इसी साल हो जाएगी. इसके बाद फराह खान ने तेजस्वी प्रकाश को बधाई दी, वहीं अभिनेत्री को ब्लश करते हुए देखा गया और उन्होंने कहा, ऐसे कुछ बात नहीं हुई है. तेजस्वी ने सिंपल कोर्ट मैरिज का दिया था हिंटइतना ही नहीं, तेजस्वी ने हाल ही में एक सिंपल कोर्ट मैरिज की पॉसिबिलिटी का भी हिंट दिया था।

सिर्फ खुशियां ही नहीं ये बड़ी चुनौतियां भी लेकर आता है बच्चे का जन्म, इनसे ऐसे निपटें

माता–पिता बनना एक कपल की जिंदगी के सबसे खूबसूरत पलों में से एक होता है। बच्चे का जन्म हर कपल के लिए कई मायनों खास माना जाता है। कहते हैं कपल जब अपनी जिंदगी में पहले बच्चे का स्वागत करते हैं तब उनके बीच की बॉन्डिंग पहले से भी ज्यादा मजबूत हो जाती है। इतना ही नहीं पहले बच्चे के जन्म के बाद उनके रिश्ते में नए सिरे से प्यार भरने लगता है, जो उन्हें साथ में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। हालाँकि, बच्चे का जन्म सिर्फ खुशियों से जुड़ा हुआ नहीं होता है

बच्चे के जीवन में आगमन के बाद कपल को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। कपल को पहले से ही इन चुनौतियों के बारे में पता होता है। हालाँकि, बावजूद इसके वह इनसे सही ढंग से नहीं निपट पाते हैं। ये सामन्य सी चुनौतियाँ रिश्ते में तनाव पैदा कर सकती हैं, जो आगे जाकर लड़ाई–झगड़ों का कारण बन सकता है। लड़ाई–झगड़ें न तो कपल के लिए और न ही उनके बच्चे के लिए अच्छे होते हैं। इसलिए आज हम बच्चे के जन्म के बाद होने वाली समस्याओं के हल बताने जा रहे हैं, जो रिश्ते को तनाव से दूर रखने में आपकी मदद करेंगे।

नींद की कमी की वजह से तनाव– बच्चे के जन्म के बाद माता–पिता का ज्यादातर समय उसकी देखभाल करने में चला जाता है। दिन और रात बच्चे का ख्याल रखने के दौरान माता–पिता को नींद की कमी महसूस हो सकती है। पर्याप्त नींद नहीं मिलने की वजह से महिलाओं के स्वभाव में चिड़चिड़ापन आ सकता है। इसके अलावा वह तनाव भी महसूस करने लगती है। इन चीजों से बचने के लिए अपने आसपास मौजूद लोगों से बच्चे को संभालने में मदद मांग सकते हैं। कोई कुछ घंटों के लिए आपके बच्चे को संभाल लेगा और इस दौरान आप अपनी नींद भी पूरी कर सकेंगी।

एक–दूसरे के लिए समय नहीं निकाल पाना– बच्चे के आने के बाद कपल की जिंदगी में कई बड़े बदलाव आते हैं, जिसमें एक–दूसरे को समय नहीं दे पाना भी शामिल है। बच्चे को संभालने में माता–पिता इतने व्यस्त हो जाते है कि उनके लिए एक–दूसरे को समय दे पाना मुश्किल हो जाता है। इस मुद्दे को हल करने के लिए कपल रात के समय बच्चे के सो जाने के बाद एक–दूसरे को समय दे सकते हैं।

पैसो और खर्चो को लेकर तनाव– बच्चे के आने के बाद एक कपल पर पैसो और खर्चो का तनाव बढ़ जाता है। बच्चे के पालन पोषण का खर्च कपल की जेब पर अत्यधिक दबाब डाल देता है। ये बात मानसिक तौर पर कपल को परेशान कर सकती है। इस समस्या से बचने का एक मात्रा उपाय यह है कि कपल पैसो का हिसाब रखें और उन्हें सही ढंग से खर्च करने पर ध्यान दें।

यौन गतिविधियों में बदलाव– बच्चे के जन्म से कपल की सेक्स लाइफ सबसे ज्यादा प्रभावित होती है। बच्चे के जन्म के बाद कपल के बीच कम सेक्स या सेक्स खत्म ही हो जाता है। रिश्ते को बनाए रखने के लिए अतरंगता बनाए रखना बेहद जरुरी है। इसलिए कपल को इस मुद्दे को जल्द से जल्द हल कर लेना चाहिए। इसे हल करने के लिए समय निकालकर एक–दूसरे के साथ कुछ रोमांटिक पल साँझा करें।

किताबें पढ़ना क्यों और कितना जरुरी

पढ़ना हमारे जीवन के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे हमारे विचारों का विकास होता है, यह हमें जीवंत ज्ञान और सबक सिखाता है जिससे हम अपने मस्तिष्क को हमेशा सक्रिय रख सकते हैं। किसी भी चीज को सीखने और समझने में सहायता करने के लिए किताब पढ़ने के महत्व को कभी भी कम नहीं आंका जा सकता। वर्षों पहले तक पढ़ना व्यक्तिगत मनोरंजन का एकमात्र साधन हुआ करता था। शायद इसीलिए यह 'पढ़ना' इतने लंबे समय से आज भी हमेशा सुर्खियों में रहता है। ठववा त्मंकपदह मनोरंजन और जानकारी प्राप्त करने का एक ऐसा स्रोत है जिसका कभी अंत नही हो सकता है। ज्ञान और मनोरंजन के अलावा किताब पढ़ने के अन्य बहुत से फायदे हैं। जैसे कि पढ़ने से आपके मस्तिष्क का विकास होता है, तनाव को दूर करने में मदद मिलती है।

किताबें पढ़ने से होंगे मानसिक स्वास्थ्य लाभ

पढ़ना बहुत से लोगों के लिए बहुत मजेदार होता है, लेकिन इसके साथ ही पढ़ने के और भी बहुत से मानसिक स्वास्थ्य लाभ हैं। पढ़ने से हम शब्दों और कहानी पर ध्यान केंद्रित करते हैं जब आप पढ़ते हैं तो आपके शब्दों पर गहराई से ध्यान केंद्रित करने के कारण, आपका मस्तिष्क पर्याप्त मात्रा में जानकारी इकट्ठा करता है। यह दिमाग को स्वस्थ रखने और विचार प्रक्रिया को तेज करने के लिए बहुत अच्छा होता है। दुनिया के बेहद सफल लोग हर दिन जरूर पढ़ते हैं। क्योंकि वे जानते हैं कि ज्ञान उनके लिए कितना महत्वपूर्ण है। जिस तरह हम शरीर की मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए व्यायाम करते हैं, इसी तरह मस्तिष्क को भी स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम की आवश्यकता होती है। पढ़ने से आप अपने निजी संबंधों में, या दैनिक जीवन में सामना किए जाने वाले अनगिनत मामलों पर चाहे कितना भी तनाव क्यों न हो, उन सब को दूर कर सकते हैं। आपको अपनी दिनचर्या में हर दिन किताब पढ़ने की आदत बना लेनी चाहिए। क्योंकि ज्ञान हमारे जीवन के विकास की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

महिलाओं पर ज्यादा होता है इन 5 बीमारियों का अटैक, जरूरी है अभी से जान लें इसके लक्षण

एक उम्र के बाद लगभग हर व्यक्ति को स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है, ऐसे में महिलाओं को खुद के स्वास्थ पर ध्यान देने की आवश्यकता है। पुरुषों की तुलना में अवसाद और चिंता के लक्षण महिला रोगी में ज्यादा देखे जाते हैं। कैंसर से भी उनकी लंबी जंग चल रही है। ऐसे में आज हम उन बीमारियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो महिलाओं को अधिक घेरती हैं।

ब्रेस्ट कैंसर

भारत में महिलाओं को होने वाले बीमारी में ब्रेस्ट कैंसर सबसे आम है । अगर शुरूआती स्टेज में लक्षणों की पहचान कर ली जाए तो कैंसर का इलाज संभव है लेकिन अगर इसे नजरअंदाज किया जाता है, तो यह आपकी जान की भी दुश्मन बन सकता है। वैसे तो ब्रेस्ट कैंसर पुरुषों को भी हो सकता है लेकिन महिलाओं को इसका संभावना अधिक होती है।

क्या है इसे लक्षण

–ब्रेस्ट में लंप या गांठ और छूने पर कठोर लगना ये ब्रेस्ट कैंसर का सबसे बड़ा संकेत है।

–ब्रेस्ट कैंसर के मामले में निप्पल से पीले, हरे या लाल रंग का लिक्विड डिस्चार्ज होता है।

–ब्रेस्ट कैंसर में स्किन लाल, बैंगनी या नीली दिखाई दे सकती है।

–स्तन कैंसर आपके निपल्स की कोशिकाओं में परिवर्तन का कारण बन सकता है जिससे वे अंदर की ओर उलटे हो सकते हैं।

–20 से 30 साल की महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के मामले आने का कारण लाइफस्टाइल की बजाए जेनेटिक है।

ऐसे करें अपनी देखभाल

–ब्रेस्ट कैंसर के लक्षण दिखें तो तुरंत डाक्टर से संपर्क करें।

–घर में पहले ही कैंसर हिस्ट्री है तो 25 साल की उम्र के बाद स्क्रीनिंग व जेनेटिक टेस्टिंग करवाएं।

–योग, एक्सरसाइज और सैर से शरीर को एक्टिव रखें।

–संतुलित और स्वस्थ आहार का सेवन करने से ब्रेस्ट कैंसर के जोखिम को टाला जा सकता है।

पीसीओडी, महिलाओं को होने वाला बेहद आम रोग है। हालांकि कई औरतें इस बीमारी से बिल्कुल अंजान है । यह महिलाओं को प्रभावित करने वाली एक कॉमन समस्या है जो मुख्य रूप से हार्मोन में असंतुलन के कारण होती है। इससे पीड़ित महिला के शरीर में पुरुष हार्मोन यानी एण्ड्रोजन का स्तर बढ़ जाता है एवं अंडाशय पर सिस्ट बनने लगते हैं।

पीसीओडी के लक्षण

–पीरियड्स अनियमित होना

–बाल झड़ना

–श्रोणि में दर्द होना

–वजन बढ़ना

–मुहांसे आना

–बांझपन की शिकायत होना

–त्वचा तैलीय होना

–ब्लड प्रेशर बढ़ना

–दूसरे हार्मोन में असंतुलन होना

–थकान महसूस होना

–सिर में दर्द होना

–मूड में अचानक बदलाव आना

पीसीओडी से बचने के लिए क्या करें?

–अपनी डेली रूटीन सही करें। मौसम के अनुसार, फल–सब्जियों का सेवन करें।

–योग और सैर को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

–फाइबर, विटामिन ई और ओमेगा 3 और 6 फैटी एसिड ज्यादा लें।

–आयुर्वेदिक नुस्खों की मदद से भी इसे ठीक किया जा सकता है लेकिन इससे पहले चिकित्सक सलाह लेना ना भूलें।

सर्वाइकल कैंसर

सर्वाइकल कैंसर एक ऐसी खतरनाक बीमारी है, जो गर्भाशय ग्रीवा से शुरू होकर लिवर, ब्लैडर, योनि, फेफड़ों और किडनी तक फैल जाता है। आंकड़ों की मानें तो ब्रेस्ट कैंसर के बाद 50: महिलाओं में मौत का दूसरा कारण सर्वाइकल कैंसर है। इस कैंसर को बच्चेदानी के कैंसर के नाम से भी जाना जाता है।

सर्वाइकल कैंसर के लक्षण

– पीरियड्स अनियमित

– असामान्य रक्तस्राव

– व्हाइट डिस्चार्ज

– बार–बार यूरिन आना

– पेट के निचले हिस्से व पेडू में दर्द या सूजन

– बुखार, थकावट

– भूख न लगना

– वैजाइना से लाइट पिंक जेलनुमा डिस्चार्ज

सर्वाइकल कैंसर से बचाव

– असुरक्षित शारीरिक संबंध बनाने से बचे और एक से ज्यादा पार्टनर के साथ संबंध ना बनाएं।

– धूम्रपान, शराब जैसी नशीली वस्तुओं से जितना हो सके दूरी बनाकर रखें।

– अपनी डाइट में फल, सब्जियां, डेयरी प्रोडक्ट्स, फाइबर फूड्स, साबुत अनाज, दही, सूखे मेवे, बीन्स आदि अधिक लें।

– फिजिकल एक्टिविटी ज्यादा से ज्यादा करें। सबसे जरूरी बात अपना मोटापा कंट्रोल में रखें।

– इसके बीमारी से बचने के लिए भ्च्ट इंजेक्शन लगाना ना भूलें।

पोस्टपार्टम डिप्रेशन

डिलीवरी के बाद ज्य्यादातर महिलाओं को मूड स्विंग्स, चिड़चिड़ापन और एंग्ज्यायटी महसूस होती है। प्रेग्नेंसी की वजह से अक्ध्सर नई मांएं स्ट्रेस और डिप्रेस महसूस करती हैं, जिसे मे पोस्टपार्टम डिप्रेशन कहते हैं। कई नई मांओं को प्रेग्नेंसी के समय से ही डिप्रेशन महसूस होने लगता है और उन्हें इस बात का एहसास तक नहीं हो पाता है कि वो डिप्रेशन में हैं।

पोस्टपार्टम डिप्रेशन के लक्षण

– हर समय मन उदास रहना

– स्वभाव में चिड़चिड़ापन बढ़ना और एंग्जइटी महसूस होना

– ज्यादा आलस व थकान रहना

– खुद को किसी काम का ना समझना

– सिर या पेट में दर्द की परेशानी होना

– भूख कम या ना के बराबर लगना

– किसी काम या एक्टिविटी में ध्यान व मन ना लगना

– कई मांओं को बच्चे के साथ बॉन्डिंग बनाने में समस्या आती है

– बार–बार मन में बुरे ख्याल आने से रोने का मन करना

– अकेले रहना का मन करना

पोस्टपार्टम डिप्रेशन का इलाज

– डिलीवरी के बाद पार्टनर व परिवार के सदस्य महिला के साथ अधिक से अधिक समय बीताएं।

– अपने खान–पान का अच्छे से ध्यान रखें।

– डॉक्टर से पूछकर हल्की–फुल्की एक्सरसाइज या योग करें।

– दोस्तों के साथ फोन के जरिए संपर्क में रहें।

– समस्या अधिक हो तो इससे बचने के लिए काउंसलिंग का सहारा लें।

– पार्टनर व परिवार वालों का सपोर्ट मिलने पर भी इस समस्या से बचा जा सकता है।

थायराइड

महिलाओं में थायराइड की समस्या आम देखने को मिल रही है। हार्मोन्स में गड़बड़ाहट के चलते औरतें इस समस्या का शिकार हो रही हैं। थाइराइड ग्रंथि में सूजन के चलते जब इन हार्मोन्स का निर्माण अच्छे से नहीं हो पाता, तो दिल से जुड़ी समस्याएं, बड़ा हुआ कोलेस्ट्रोल और मांसपेशियों में कमजोरी जैसी समस्याएं आपको घेर लेती हैं।

थायराइड के शुरुआती लक्षण

– गले में दर्द रहना

– हल्की सूजन

– कमजोरी महसूस करना

– नींद न आना

– अधिक प्यास लगना

– गला सूखना

– पसीना आना

– दिमागी कमजोरी और चिंता

– त्वचा का रूखापन

– महिलाओं में पीरियड्स की अनियमितता

– मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द

थायराइड का उपचार

– विटामिन ए से भरपूर खाद्य पदार्थ खाएं, जैसे ब्रोकली, पालक, और ज्यादातर गहरे हरे पत्ते वाली सब्जियां।

– कच्ची सब्जियां, विशेष रूप से फूलगोभी, केल, ब्रसेल्स स्प्राउट्स और ब्रोकली खाने से बचना चाहिए।

– प्रतिदिन दूध में हल्दी पका कर पीने से भी थायराइड का उपचार होता है।

– तनाव मुक्त जीवन जीने की कोशिश करें।

गर्मियों में ये फूड्स खाने से बढ़ जाएगी हेल्थ प्राब्लम, बिल्कुल भी न करें इनका सेवन

बदलता मौसम अपने साथ कई तरह की बीमारियां लेकर आता है। यदि मौसम के अनुसार, डाइट न ली जाए तो शरीर मौसमी बीमारियों की चपेट में आने लगता है। गलत डाइट के कारण हाजमा खराब हो जाता है इसके अलावा फूड पॉयजनिंग, पेट में दर्द, उल्टी और मतली भी होने लगती है। ऐसे में इस बदलते मौसम में खुद को हैल्दी रखना भी आवश्यक है। गर्मियों के मौसम में डिहाइड्रेशन भी होने लगती है जिसके कारण ज्यादा मात्रा में पानी पीने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा गन्ने का जूस, नारियल पानी, एनर्जी ड्रिंक भी इस मौसम में फायदेमंद माने जाते हैं। परंतु इस मौसम में कुछ फूड्स आपके लिए परेशानी भी खड़ी कर सकते हैं। आज वर्ल्ड हैल्थ डे के मौके पर आपको बताते हैं ऐसे कौन सी चीजें हैं जिनका गर्मियों में सेवन करना शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकता है। आइए जानते हैं इनके बारे में...

ज्यादा मिर्च मसाले

गर्मी के मौसम में ज्यादा मिर्च मसाले वाले भोजन से परहेज करना चाहिए। इसके अलावा ज्यादा तेल वाला खाने, सूखे मसालों के पाउडर का भोजन भी शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है। खाने में ज्यादा मिर्च पाउडर, गर्म मसाला, दालचीनी पाउडर शरीर के लिए गर्म होसकता है इसके कारण शरीर का मेटाबॉल्जिम स्तर बढ़ने लगता है। मसालों में मौजूद कैपसेसिन नाम का कंपाउंड शरीर का पित दोष बढ़ाकर गर्मी पैदा कर सकता है, जिसके कारण पसीना आना, स्किन पर फोड़े–फुंसियां होना, कमजोरी और डिहाइड्रेशन जैसी परेशानियां भी हो सकती हैं। इसलिए इस मौसम में ज्यादा मिर्च मसाले वाले खाने से परहेज करें।

चाय–कॉफी

झुलसती गर्मी में ज्यादा चाय कॉफी भी शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकती है। यह चीजें शरीर में गर्मी का स्तर बढ़ा सकती हैं इसलिए इस मौसम में चाय कॉफी पीने की जगह आप गन्ने का जूस, नारियल पानी, नींबू पानी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

जंक फूड

गर्मी के मौसम में जंक फूड, पिज्जा, बर्गर, चाउमीन, पास्ता, स्ट्रीट फूड्स, मोमोज, समोसा, फ्रेंच फ्राइज भी ज्यादा खाना सेहत को नुकसान पहुंचा स कता है। ऑयली, फास्ट फूड खाने से पेट भी खराब हो सकता है। इस मौसम में तेल मसाले शरीर में गर्मी बढ़ा सकते हैं इसलिए इस मौसम में जंक फूड से परहेज ही करें।

अचार

बहुत से लोग खाने में अचार का सेवन करना पसंद करते हैं, परंतु गर्मियों के मौसम में इसका सेवन करने से स्वास्थ्य भी प्रभावित हो सकता है। इसे मसालों और तेल से बनाया जाता है इसके अलावा यह फर्मेंटेड भी होता है इसमें सोडियम भी कम मात्रा में होती है जिसके कारण वाटर रिटेंशन, सूजन, अपच, ब्लोटिंग जैसी समस्याएं बढ़ सकती है, इसलिए गर्मी के मौसम में इसका सेवन ज्यादा नहीं करना चाहिए।

नॉनवेज न खाएं

ज्यादा नॉनवेज भी इस मौसम में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। तंदूरी चिकन, मछली, सीफूड का ज्यादा सेवन नहीं करना चाहिए, इनके सेवन के कारण पाचन से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती है। इसके अलावा मांस–मछली ज्यादा खाने के कारण दस्त की समस्या भी शुरु हो सकती है। ऐसे में इस मौसम में नॉनवेज से परहेज ही करना चाहिए।

संक्षिप्त

टवसोंहमद का बड़ा बयान, महंगी होगी गाड़ियां, डोनाल्ड ट्रम्प के 25% ऑटो टैरिफ लागू होने के बाद कीमतों में बढ़ोतरी करेगी कंपनी

ट्रम्प के ऑटो टैरिफ के कारण जर्मन कार निर्माताओं को बड़ा नुकसान हो सकता है। जर्मन कार निर्माता जैसे कि मर्सेडीज़, बीएमडब्ल्यू और वोक्सवैगन को अमेरिकी बाजार में अपनी उपस्थिति बनाए रखने के लिए कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। वोक्सवैगन एजी के वाहनों की कीमत में बढ़ोतरी हो सकती है। कंपनी अमेरिका में भेजे जाने वाले अपने वाहनों की स्टीकर कीमतों में नया आयात शुल्क जोड़ने की तैयारी में है। कंपनी ने ये कदम इसलिए उठाया है कि अमेरिका में ऑटोमोबाइल आयात पर 25: टैरिफ की घोषणा की गई है। ये जानकारी ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में सामने आई है। ऑटोमोबाइल सेक्टर में ही वोक्सवैगन की कारें भी आती हैं। जर्मन ऑटोमेकर ने अपने अमेरिकी डीलरों को एक मेमो भेजकर शुल्क के बारे में जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार मेक्सिको से वाहनों की रेल शिपमेंट को भी अस्थायी रूप से रोका है। यूरोप से भेजी गई कारों को बंदरगाह पर रोका गया है। वोक्सवैगन की टेनेसी में फैक्ट्री है जहां इलेक्ट्रिक प्:4 और बड़ी एटलस एसयूवी का निर्माण होता है। हालांकि आईडी बज़ वैन और गोल्फ जैसे अन्य मॉडल यूरोप से आयात किए जाते हैं, जबकि टिगुआन और ताओस एसयूवी और जेट्टा मैक्सिको से लाए जाते हैं। जर्मनी की ऑटो लॉबी वीडीए की प्रमुख हिल्डेगार्ड मुलर ने ट्रम्प के टैरिफ को व्यापार नीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया है। हिल्डेगार्ड मुलर ने कहा कि ट्रम्प के टैरिफ के कारण सभी पक्षों को नुकसान होगा, जिसमें अमेरिका भी शामिल है। अमेरिकी उपभोक्ताओं को बढ़ती मुद्रास्फीति और उत्पादों के कम विकल्पों का सामना करना पड़ सकता है, जिससे उनकी क्रय शक्ति कम हो सकती है। इसके अलावा, जर्मन ऑटोमोटिव कंपनियों के शेयरों में गुरुवार को गिरावट आई, जिसमें शुरुआती इंट्राडे ट्रेडिंग के दौरान वोक्सवैगन और मर्सिडीज में 3: से अधिक की गिरावट आई, रिपोर्ट के अनुसार, बीएमडब्ल्यू एक अपवाद था, जो 1.6: तक ऊपर कारोबार कर रहा था, और पहले की गिरावट को उलट दिया। यह ऐसे समय में आया है जब उपभोक्ताओं की प्राथमिकताएं लाभदायक स्पोर्ट यूटिलिटी वाहनों की ओर अधिक झुकी हुई हैं, जो मर्सिडीज–बेंज ग्रुप एजी और पोर्श एजी जैसी कंपनियों के लिए आकर्षक है। रिपोर्ट के अनुसार, परिणामस्वरूप, मर्सिडीज अमेरिका में जीएलए छोटी एसयूवी जैसे कम मार्जिन वाले आयातित मॉडलों को वापस लेने पर विचार कर रही है।

बेंगलुरु स्थित स्टार एयर बेलगावी से बढ़ाएगी उड़ानें, होगा नेटवर्क का विस्तार

स्टार एयर आने वाले दिनों में नए रुट पर अपनी एयरलाइन सर्विस बढ़ाने के लिए तैयार है। एयरलाइन अब क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने के लिए अप्रैल–मई में नए और उन्नत मार्गों पर परिचालन शुरू करेगी। एयरलाइन चुनिंदा मार्गों पर बिजनेस–क्लास केबिन की सुविधा के साथ एम्ब्रेयर म175 विमान पेश करने का फैसला किया है। इससे यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव सुनिश्चित होगा। एयरलाइन ने एक प्रेस नोट में कहा कि मई में बेलगावी–मुंबई–कोल्हापुर और वापसी सेवाओं को एम्ब्रेयर म175 विमान में अपग्रेड किया जाएगा, जिससे यात्रियों की सुविधा और क्षमता में वृद्धि होगी। इसके अलावा, निम्नलिखित सेवा संवर्द्धन होने की संभावना है: बेलगावी–जयपुर–बेलगावी। क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) के तहत परिचालन जारी रहेगा, जिससे

क्षेत्रीय हवाई अड्डों तक सस्ती और निर्बाध यात्रा की सुविधा मिलेगी। बेंगलुरू–बेलागवी–बेंगलुरु सेवा अप्रैल के मध्य से फिर से शुरू होगी, जो बेंगलुरू को बेंगलुरू से फिर से जोड़ेगी। बेंगलुरू–पुणे–बेलागवी उड़ानें अप्रैल के मध्य में शुरू होने की संभावना है। बेंगलुरु–हैदराबाद–बेलागवी उड़ानें मई के मध्य में शुरू की जाएंगी, जो बेंगलुरू को हैदराबाद से जोड़ेगी। विस्तार योजनाओं के बारे में बोलते हुए, मुख्य वाणिज्यिक और विपणन अधिकारी शिल्पा भाटिया ने कहा, ष्स्टार एयर में, हमारा मिशन हमेशा क्षेत्रीय कनेक्टिविटी अंतराल को पाटना और एक सहज उड़ान अनुभव प्रदान करना रहा है। बिजनेस–क्लास केबिन के साथ एम्ब्रेयर म175 विमान की शुरूआत हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। ये नए मार्ग व्यवसाय और अवकाश यात्रियों के लिए समान रूप से कनेक्टिविटी बढ़ाएंगे, क्षेत्रीय विकास और आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देंगे। इस बीच, विमानन सुरक्षा नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने बेंगलुरु स्थित क्षेत्रीय एयरलाइन स्टार एयर को महाराष्ट्र के गोंदिया से मध्य प्रदेश के इंदौर के लिए नई उड़ान सेवा शुरू करने की मंजूरी दे दी है। पीटीआई से बात करते हुए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के एक अधिकारी ने कहा कि हालांकि उड़ान संचालन और कार्यक्रम को डीजीसीए की मंजूरी मिल गई है, लेकिन सेवाओं की शुरुआत एयरलाइन के पास विमानों की उपलब्धता पर निर्भर करेगी। वर्तमान में इंडिगो गोंदिया के बिरसी हवाई अड्डे का एकमात्र संचालक है, जो महाराष्ट्र के आदिवासी जिले को तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद से जोड़ता है। बिरसी हवाई अड्डे के निदेशक गिरीश चंद्र वर्मा ने पीटीआई को बताया, ष्स्टार एयर ने बिरसी हवाई अड्डे (गोंदिया) से इंदौर के लिए परिचालन शुरू करने में रुचि दिखाई थी और इसके बाद डीजीसीए ने इंदौर के लिए एक नई उड़ान सेवा के लिए एयरलाइन के कार्यक्रम को अपनी मंजूरी दे दी।

पाकिस्तानी ऑलराउंडर खुशदिल शाह ने खोया आपा, प्रशंसक पर किया हमला; सुरक्षाकर्मियों ने किया बीच–बचाव

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट की हालत दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। एक तरफ टीम को हर मुकाबले में हार का सामना करना पड़ रहा है, तो दूसरी तरफ उनके खिलाड़ी अपना आपा खोते जा रहे हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं जिनको साझा करते हुए प्रशंसकों ने दावा किया है कि खुशदिल शाह का फैंस के साथ झगड़ा हो गया।

मैच के बाद प्रशंसकों से भिड़े खुशदिल शाह

दरअसल, पाकिस्तान की टीम इन दिनों न्यूजीलैंड के दौरे पर है। शुक्रवार को दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला खेला गया जिसमें न्यूजीलैंड ने उन्हें 84 रन से रौंदकर 3–0 से सीरीज अपने नाम कर ली। इस हार के बाद बौखलाए पाकिस्तानी ऑलराउंडर खुशदिल शाह फैंस से उलझ गए। बात इतनी बढ़ गई कि सुरक्षाकर्मियों को बीच–बचाव के लिए आना पड़ा।

न्यूजीलैंड में पाकिस्तान का बुरा हाल

वनडे विश्व कप 2023, टी20 विश्व कप 2024 और चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में खराब प्रदर्शन के बाद अब न्यूजीलैंड दौरे पर भी पाकिस्तान का बुरा हाल हुआ है। न्यूजीलैंड के दौरे पर गई पाकिस्तान टीम को टी20 सीरीज में 4–1 से हार का सामना करने के बाद अब वनडे सीरीज में 3–0 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा है। शनिवार को खेले गए तीसरे वनडे में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर 43 रन से हरा दिया। जीत के लिए 42 ओवर में मिले 265 रन के लक्ष्य के जवाब में पाकिस्तान की टीम 40 ओवर में 221 रन पर सिमट गई।

टी20 सीरीज में 4–1 से हारा था पाकिस्तान

सलमान अली आगा के नेतृत्व में पाकिस्तान की टीम ने तीसरा टी20 नौ विकेट से जीता था और वह भी रिकॉर्ड के साथ, लेकिन इससे पहले और इसके बाद टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। न्यूजीलैंड ने पहला टी20 नौ विकेट से, दूसरा टी20 पांच विकेट से, चौथा टी20 115 रन से और पांचवां टी20 आठ विकेट से अपने नाम किया था। इसके बाद वनडे सीरीज में भी कीवियों का बोलबाला रहा। माइकल ब्रेसवेल के नेतृत्व में एक नई कीवी टीम ने पहले वनडे में पाकिस्तान को 73 रन से, दूसरे वनडे में 84 रन से और तीसरे वनडे में 43 रन से हरा दिया। तीसरे वनडे के दौरान इमाम उल हक के चेहरे पर गेंद लगी और उन्हें एंबुलेंस से मैदान से बाहर ले जाना पड़ा। इसके बाद उन्हें चेकअप के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, पाकिस्तान की पारी के दौरान मैदान में अंधेरा भी छा गया था।

लखनऊ की जीत के बाद मुख्य कोच लैंगर का दिखा मजाकिया अंदाज

प्रेस कॉन्फ्रेंस में उठाया पत्रकार का फोन

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाएंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर का मजाकिया अंदाज देखने को मिला जब वह मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए आए। लखनऊ ने शुक्रवार को रोमांचक मुकाबले में मुंबई को हराया। मैच के बाद जब लैंगर प्रेस कॉन्फ्रेंस में आए तो उन्होंने एक पत्रकार के घर से आ रहे फोन कॉल को उठा लिया जिससे वहां बैठे सभी लोग हंसने लगे।

लखनऊ ने दर्ज की थी दूसरी जीत

लखनऊ सुपर जाएंट्स ने रोमांचक मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 12 रनों से हराकर आईपीएल 2025 में अपनी दूसरी जीत दर्ज की थी। लखनऊ ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मिचेल मार्श और एडेन मार्करम के अर्धशतकों के दम पर 20 ओवर में आठ विकेट पर 203 रन बनाए। जवाब में सूर्यकुमार यादव ने भी पचासा जड़ा लेकिन उनकी कोशिश बेकार गई और मुंबई निर्धारित ओवर में पांच विकेट पर 191 रन ही बना सकी। टीम को मिली इस जीत से लखनऊ के ड्रेसिंग रूम में सभी काफी खुश थे। दरअसल मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए लैंगर आए और जब वह पत्रकार के सवालों का जवाब दे रहे थे, तो उसी समय एक पत्रकार के फोन पर घर से फोन कॉल आया। फोन रिकॉर्ड होने के लिए लैंगर के पास रखा था और फोन आने पर लैंगर की निगाह गई। उन्होंने उस फोन को उठाया और बात करने लगे। लैंगर के इस अंदाज को देखकर वहां बैठे सभी लोग हंसने लगे।

दिल्ली कैपिटल्स ने सीएसके को दिया 184 रनों का लक्ष्य

केएल राहुल ने खेली 77 रन की पारी

दिल्ली कैपिटल्स ने केएल राहुल की अर्धशतकीय पारी की मदद से सीएसके के सामने 184 रनों का लक्ष्य रखा है। दिल्ली ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया और राहुल ने 51 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्के की मदद से 77 रन बनाए जिससे दिल्ली ने 20 ओवर में छह विकेट पर 183 रन बनाए। सीएसके के लिए तेज गेंदबाज खलील अहमद ने दो विकेट लिए, जबकि रवींद्र जडेजा, नूर अहमद और मथीशा पथिराना को एक–एक सफलता मिली। पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में जैक फ्रेजर मैकगर्क का विकेट गंवा दिया। इसके बाद राहुल ने अभिषेक पोरेल के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 54 रन जोड़े। जडेजा ने पोरेल को आउट कर दिल्ली को दूसरा झटका दिया जो 20 गेंदों पर 33 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अक्षर पटेल ने कुछ अच्छे शॉट्स खेले, लेकिन वह भी 14 गेंदों पर 21 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। केएल राहुल ने अपनी पारी जारी रखी और आईपीएल करियर का 38वां अर्धशतक जड़ा। समीर और केएल राहुल के बीच चौथे विकेट के लिए 56 रनों की साझेदारी हुई। रिजवी 15 गेंदों पर 20 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अंतिम ओवर में केएल राहुल भी अपना विकेट गंवा बैठे। इसकी अगली ही गेंद पर जडेजा के थ्रो पर आशुतोष शर्मा को धोनी ने रन आउट किया।

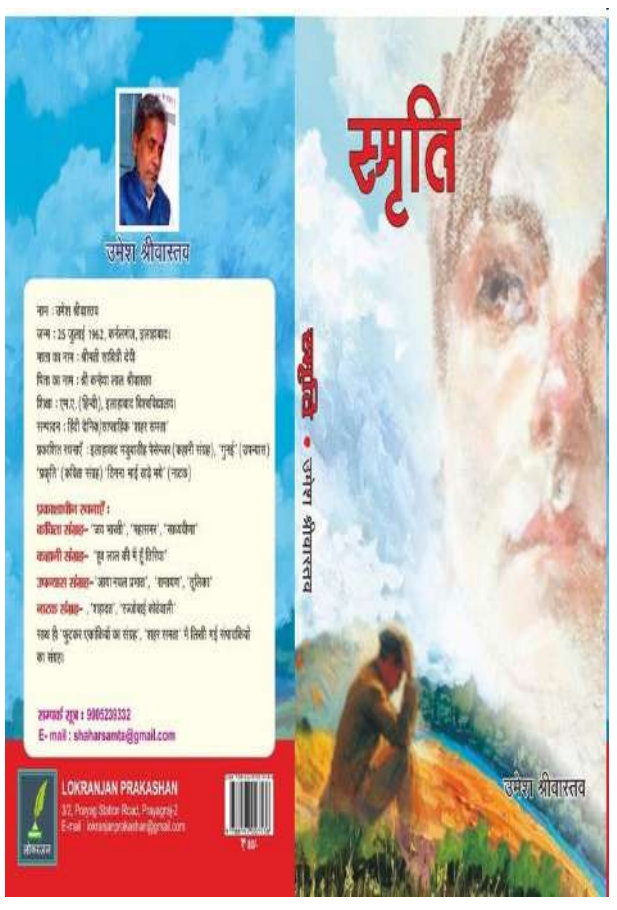

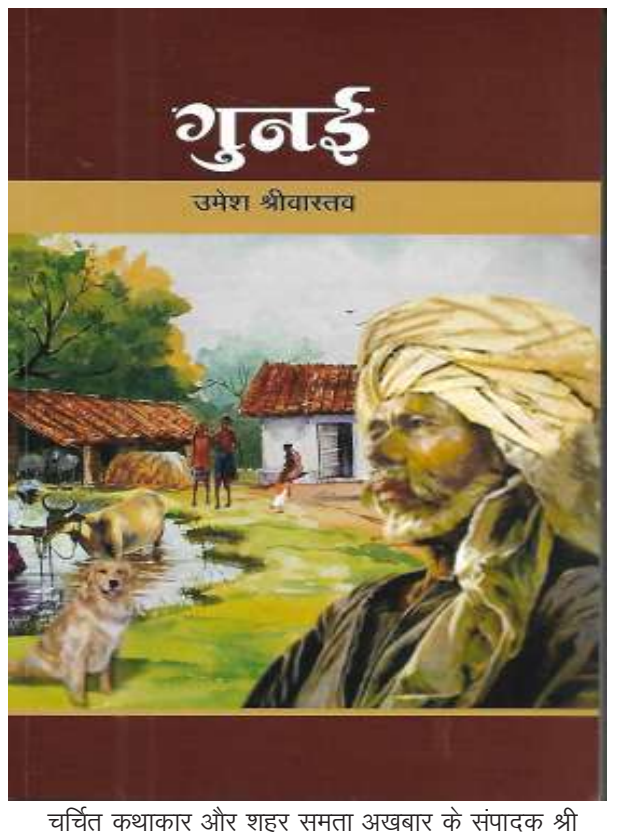

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

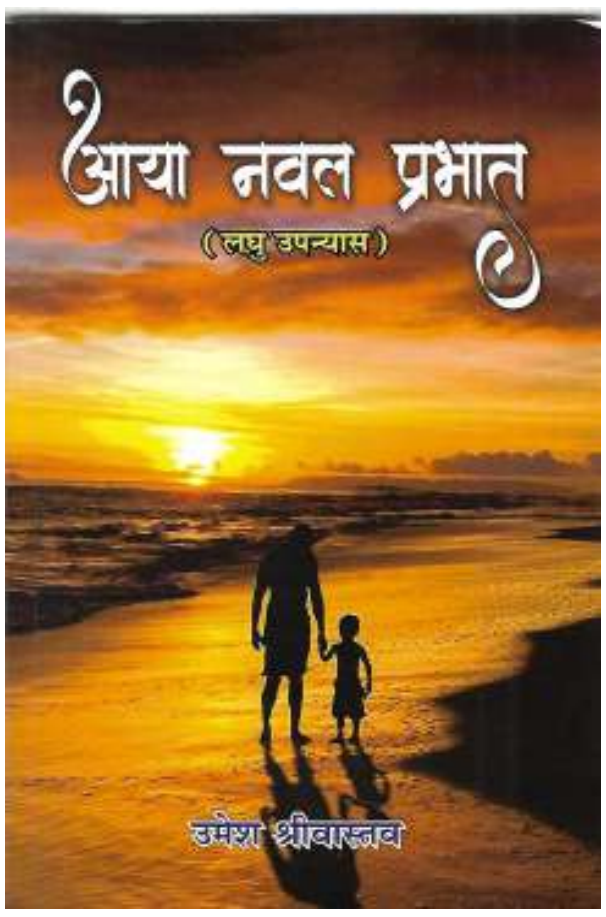

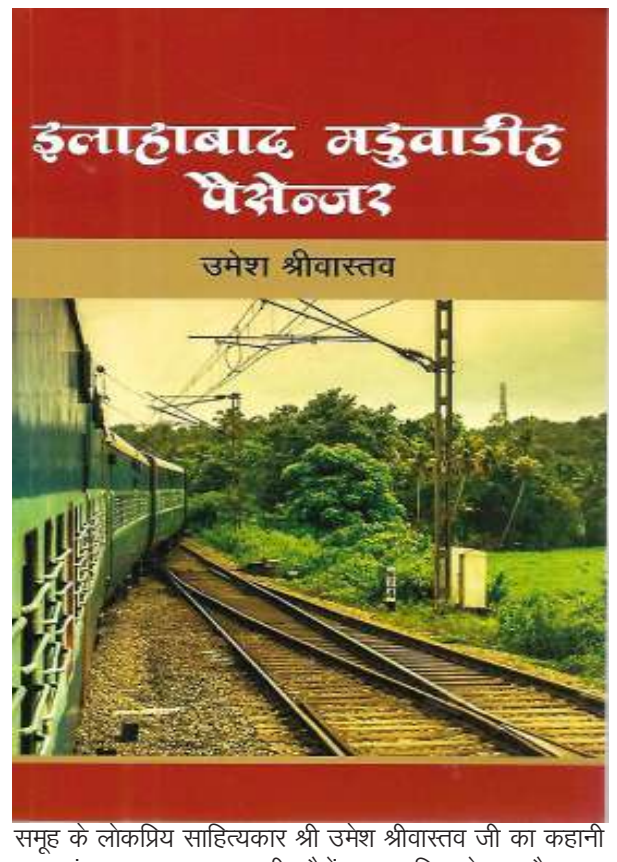

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

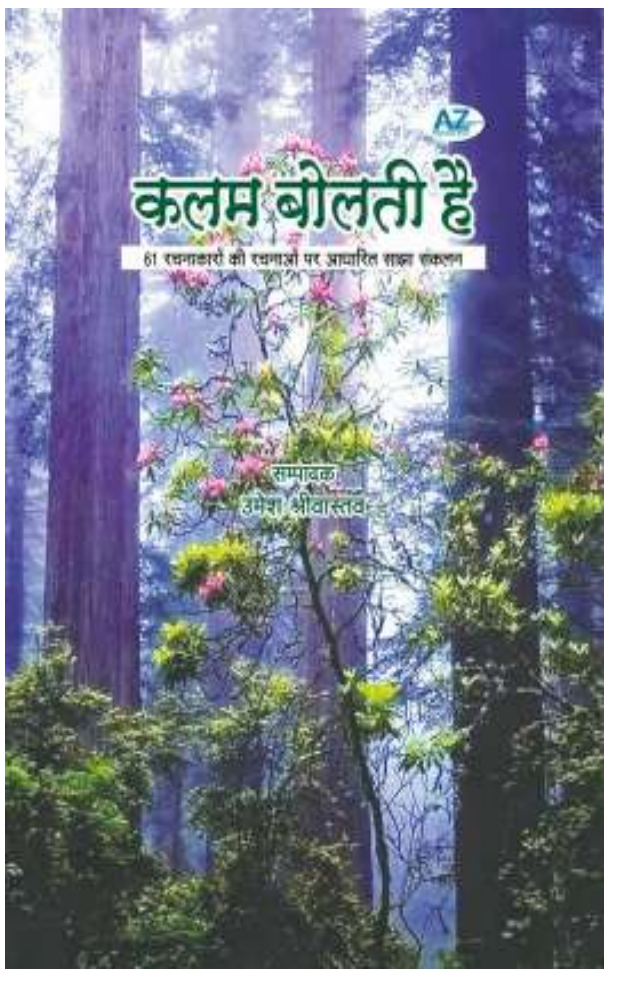

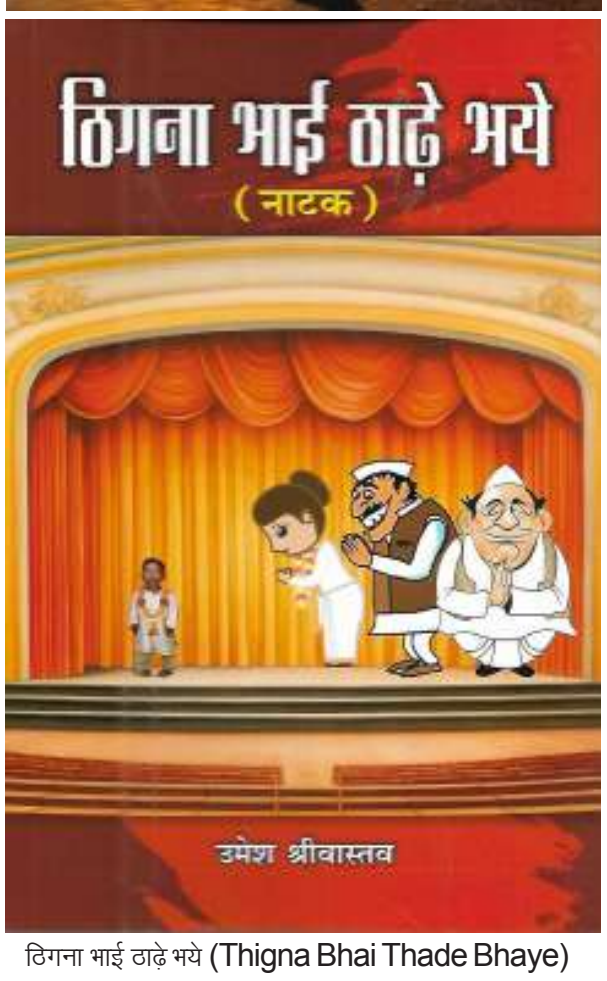

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त समाचार

राजशाही समर्थक आरआरपी ने काठमांडू में विरोध प्रदर्शन किया, गिरफ्तार नेताओं की रिहाई की मांग की

नेपाल की राजशाही समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) ने शुक्रवार को काठमांडू में एक विरोध रैली आयोजित की, जिसमें पिछले सप्ताह के हिंसक प्रदर्शनों के बाद गिरफ्तार किए गए अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं की तत्काल रिहाई की मांग की और पिछले सप्ताह की घटना की स्वतंत्र जांच की मांग की। उन्होंने विरोध प्रदर्शनों में घायल हुए लोगों के लिए मुफ्त उपचार की भी मांग की। पिछले शुक्रवार को आरपीपी नेताओं और समर्थकों ने अन्य राजशाही समर्थक समूहों के साथ मिलकर काठमांडू में एक रैली आयोजित की जिसमें राजशाही की बहाली और नेपाल को हिंदू राज्य घोषित करने की वकालत की गई। पुलिस ने हिंसा के सिलसिले में आरपीपी नेताओं और राजशाही समर्थकों सहित लगभग 70 लोगों को गिरफ़्तार किया है। अधिकारियों का आरोप है कि हिरासत में लिए गए कुछ लोग तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाओं में शामिल थे।अशांति के दौरान लगभग 18 इमारतों में आग लगा दी गई तथा एक दर्जन वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

मेक्सिको में तीन साल बच्ची बर्ड फ्लू से संक्रमित

पश्चिमी राज्य दूरांगो की तीन वर्षीय बच्ची में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। मेक्सिको में इस वायरस का यह पहला मानव मामला है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। टाइप ए एच5एन1 इन्फ्लूएंजा अमेरिका में जानवरों और कुछ लोगों के माध्यम से फैल रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि बच्ची को को आहुइला राज्य के पास स्थित टोरेऑन के एक अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती कराया गया है। मंत्रालय ने बताया कि उसे शुरुआत में फ्लू–रोधी दवा दी गई थी। बयान में कहा गया है कि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि बच्ची को वायरस कैसे हुआ।

टिकटॉक को अमेरिकी खरीदार खोजने के लिए 75 दिन का और समय दे रहा हूं : ट्रंप

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वह टिकटॉक के संचालन को अमेरिका में 75 दिन और जारी रखने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर रहे हैं, ताकि उनके प्रशासन को इस सोशल मीडिया मंच को अमेरिकी स्वामित्व में लाने के लिए समझौता करने के वास्ते और समय मिल सके। कांग्रेस ने आदेश दिया था कि 19 जनवरी तक मंच को चीन से

अलग कर दिया जाए या राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर अमेरिका में प्रतिबंधित कर दिया जाए, लेकिन ट्रंप ने इसे जारी रखने के लिए एक समझौते पर बातचीत करने की मांग करते हुए समय सीमा को इस सप्ताहांत तक बढ़ाने के लिए एकतरफा कदम उठाया। ट्रंप ने हाल ही में लोकप्रिय सोशल मीडिया साइट में हिस्सेदारी खरीदने की मांग करने वाली अमेरिकी कंपनियों की ओर से कई प्रस्तावों पर विचार किया है, लेकिन चीन की बाइटडांस, जो टिकटॉक और इसके करीबी एल्गोरिदम का मालिक है, ने जोर देकर कहा है कि उसका मंच बिक्री के लिए नहीं है।

यूक्रेन में रूसी हमले में 14 लोगों की मौत, 50 से अधिक घायल

यूक्रेन के केंद्रीय शहर क्रीवी रीह पर शुक्रवार को रूसी मिसाइल हमले में छह बच्चों सहित कम से कम 14 लोगों की मौत हो गयी जबकि 50 से अधिक लोग घायल हो गए। यूक्रेनी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दिनप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र के प्रमुख सेरही लिसाक ने रूसी बैलिस्टिक मिसाइल हमले को नागरिकों के विरुद्ध युद्ध करार दिया। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिकी और यूरोपीय नेता रूस पर संघर्ष विराम स्वीकार करने के लिए दबाव डाल रहे हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

भारत पर ट्रंप का टैरिफ देख पुतिन का तगड़ा ऐलान जानिए, अमेरिका को दे दिया तगड़ा जवाब

अमेरिका ने भारत पर 27 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया। यानी अब भारतीय समाना अमेरिका में ज्यादा महंगे हो जाएंगे। लेकिन तभी रूस से एक बड़ी खबर आई। पुतिन ने मेक इन इंडिया की जमकर तारीफ की और भारत में निवेश का ऐलान कर दिया। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या अमेरिका भारत को ट्रेड वॉर में घेरने की कोशिश कर रहा है। क्या भारत रूस और दूसरे देशों के साथ मिलकर नई रणनीति बनाएगा। सबसे अहम बात क्या इससे मोदी सरकार को 2024 के चुनाव में फायदा होगा। दरअसल, अमेरिका ने 2 अप्रैल को रेसिप्रोकल टैरिफ का ऐलान किया। इसमें भारत समेत कई देशों पर 10 प्रतिशत से 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया गया। भारतीय उत्पादों पर 27 प्रतिशत का भारी टैक्स लगाया गया। मतलब अब भारतीय सामान अमेरिका में महंगे हो जाएंगे। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि भारत अनुचित व्यापार नीतियों का पालन कर रहा है। अमेरिका का आरोप है कि भारत अपने मार्केट में अमेरिकी कंपनियों के लिए बाधाएं खड़ी करता है। ट्रंप ने कहा कि भारत व्यापार के लिए सबसे कठिन जगहों में से एक है। भारत का अमेरिका के साथ कुल 131 अरब डॉलर का व्यापार है। भारत अमेरिका को टेक्सटाइल फार्मा, स्टील और जेम्स ज्वेलरी जैसे प्रोडक्ट डिलीवर करता है। टैरिफ बढ़ने से इन उत्पादों की कीमत अमेरिका में बढ़ जाएगी। जिससे इनकी ब्रिकी घट सकती है। इसे इस उदाहरण से समझिए कि अगर भारत अमेरिका को 10 लाख का हीरा बेचता है तो नए अमेरिकी टैरिफ लगने के बाद अमेरिका में इस हीरे की कीमत 12 लाख 60 हजार हो

जाएगी। नतीजा ये होगा कि अमेरिका में हीरे की कीमत ज्यादा और डिमांड कम हो जाएगी। बताया जा रहा है कि अमेरिकी टैरिफ का असर भारत के डायमंड और ज्वेलरी, कार एससरीज, पेट्रोलियम प्रोडक्ट, रेडिमेड गारमेंट जैसे सेक्टर पर पड़ेगा। हालांकि जेनरिक दवाईयों , तांबे के सामान और सेमीकंडक्टर जैसे कुछ सेक्टर्स को इससे बाहर रखा गया है। लेकिन कहानी यही खत्म नहीं होती है। भारत को अपने दोस्त रूस से बड़ी खबर मिली है। लेकिन जिस वक्त डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ का ऐलान किया। उसके तुरंत बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी बड़ा खेल कर दिया। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पीएम मोदी का नाम लेकर कहा है कि हम भारत में निवेश और सामानों का उत्पादन बढ़ाने जा रहे हैं। रूस ने कहा है कि हम भारत से होने वाले व्यापार को नई ऊंचाईयों पर ले जाएंगे। पुतिन ने ये बयान ट्रंप के टैरिफ के ऐलान और अपनी भारत की यात्रा से ठीक पहले दिया है। रूस ने ऐलान किया है कि 2030 तक हम भारत के साथ अपने व्यापार को 10 अरब डॉलर तक ले जाएंगे। हम भारत को सामान बेचेंगे और भारत से भरपूर सामान खरीदेंगे भी। जिस तरह से ट्रंप ने दुनिया के सामने टैरिफ का ऐलान किया। ठीक उसी तरह से पुतिन ने भारत की पहल मेक इन इंडिया की पूरी दुनिया के सामने तारीफ कर दी। उन्होंने कहा कि भारत की पहल मेक इन इंडिया के बारे में सब जानते हैं। हम भारत में अपनी ओर से कुछ उत्पादन करने के लिए भी तैयार हैं। भारतीय प्रधानमंत्री की सरकार विश्वसनीय और स्थिर परिस्थितियां बना रही हैं। भारतीय नेतृत्व अर्थव्यवस्था सहित सभी क्षेत्रों में राष्ट्रीय उन्मुख नीति का अनुसरण कर रहा है।

टैरिफ के बाद अमीरों को टैक्स छूट देने की तैयारी में ट्रंप, सीनेट ने बजट प्रस्ताव को दी मंजूरी

वॉशिंगटन। टैरिफ बम फोड़ने के बाद अब डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका में अमीरों को टैक्स में छूट देने की अपनी महत्वकांक्षी योजना पर आगे बढ़ गए हैं। यह ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी की महत्वकांक्षी योजना है और चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप ने इसका एलान किया था। अगले कुछ महीनों में अमेरिका में बजट आने वाला है और शुक्रवार देर रात सीनेट में बजट योजना पर चर्चा हुई और करीब पूरी रात चर्चा के बाद शनिवार सुबह इसे मंजूरी दे दी गई। उल्लेखनीय है कि ट्रंप की योजना अमेरिका के अमीरों को टैक्स में खरबों डॉलर की राहत देने, सीमा सुरक्षा को मजबूत करने और रक्षा खर्च में भी

बढ़ोतरी करने की है। साथ ही संघीय सरकार के खर्चों में कटौती की रही है।

डेमोक्रेट पार्टी कर रही विरोध

सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के तौर पर एलन मस्क ने संघीय सरकार के खर्चों में खरबों डॉलर की कटौती का लक्ष्य तो हासिल कर लिया है। अब ट्रंप प्रशासन अपने अगली योजनाओं पर आगे बढ़ रहा है। यही वजह है कि बजट को लेकर इतनी माथापच्ची हो रही है। रिपब्लिकन पार्टी को डेमोक्रेट पार्टी का भी विरोध झेलना पड़ रहा है। डेमोक्रेट पार्टी का कहना है कि संघीय योजनाओं में कटौती कर अमीरों को टैक्स में राहत नहीं दी जानी चाहिए। डेमोक्रेट पार्टी का कहना है कि अधिकतर अमेरिकी नागरिक इन सरकारी कल्याणकारी योजनाओं पर निर्भर हैं।

टैरिफ युद्ध के चलते मंदी की आशंका

गौरतलब है कि यह उठा–पटक ऐसे समय हो रही है, जब डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के कई देशों पर पारस्परिक टैरिफ लगाने का एलान कर दिया है। इसके जवाब में चीन ने भी अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगाने का एलान कर दिया है और कई अन्य देश भी ऐसा ही करने पर विचार कर रहे हैं। अर्थशास्त्री आशंका जता रहे हैं कि ट्रंप के इस कदम से अमेरिका समेत वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की चपेट में आ सकती है।

राजस्व सेवा में 20 हजार कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी

नागरिक अधिकार ऑफिस को बंद करने से होगी शुरुआत

वॉशिंगटन। अमेरिका अपने आंतरिक राजस्व सेवा विभाग में करीब 20 हजार कर्मचारियों की छंटनी करने की तैयारी कर रहा है। यह विभाग के कुल कार्यबल का 25 प्रतिशत है। यह छंटनी शुक्रवार से शुरू हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आईआरएस के नागरिक अधिकार कार्यालयों को बंद करने की भी योजना है। छंटनी के बाद जो कर्मचारी बचेंगे, उन्हें अन्य विभागों में स्थानांतरित किया जाएगा।

हजारों कर्मचारियों की हो रही छंटनी

आंतरिक राजस्व सेवा विभाग को पूर्व में समानता, विविधता और समावेशी विभाग के नाम से जाना जाता था। आंतरिक राजस्व सेवा विभाग राजस्व इकट्ठा करने और टैक्स संबंधी कानूनों को लागू करने का काम करता है। यह छंटनी ट्रंप प्रशासन द्वारा संघीय सरकार के खर्चों में कटौती के लक्ष्य के साथ की जा रही है। एलन मस्क के नेतृत्व में सरकारी दक्षता विभाग हजारों कर्मचारियों की छंटनी कर चुका है और मस्क खरबों डॉलर बचाने की बात कह रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग (एचएचएस) में भी बड़े पैमाने पर कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा सकता है। मंगलवार को कर्मचारियों को बर्खास्तगी के नोटिस मिलने शुरू हो गए। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि, ट्रंप सरकार स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग से 10,000 लोगों को नौकरी से निकाल सकती है।

अमीरों को टैक्स में राहत देने की तैयारी

गौरतलब है कि राष्ट्रपति ट्रंप की योजना अमेरिका के अमीरों को टैक्स में खरबों डॉलर की राहत देने, सीमा सुरक्षा को मजबूत करने और रक्षा खर्च में भी बढ़ोतरी करने की है। इसके लिए ट्रंप प्रशासन बजट बनाने की तैयारियों में जुट गया है। हालांकि डेमोक्रेट पार्टी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में कटौती कर अमीरों को टैक्स में राहत देने का विरोध कर रही हैं।

कनाडा में भारतीय नागरिक की चाकू मारकर हत्या, एक संदिग्ध गिरफ्तार, जांच में जुटी पुलिस

कनाडा। भारतीय उच्चायोग ने शनिवार को बताया कि कनाडा के ओटावा शहर के रॉकलैंड में एक भारतीय नागरिक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई है। उच्चायोग ने बताया कि इस मामले में स्थानीय पुलिस ने एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की जांच उच्चायोग ने एक्स पर लिखा पास चाकू मारने की घटना मृत्यु से दुखी हैं। पुलिस ने को हिरासत में लिया गया संघ के माध्यम से शोक सहायता प्रदान करने के की मीडिया के अनुसार व्यक्ति की मौत हो गई। गिरफ्तार कर लिया गया है। का खुलासा नहीं किया है।

रही है। सीटीवी न्यूज के अनुसार ओंटारियो प्रांतीय पुलिस (ओपीपी) ने कहा कि शुक्रवार को दोपहर 3 बजे रॉकलैंड में लालोंडे स्ट्रीट के पास गोलीबारी की घटना हुई। यह घटना ओटावा शहर के पूर्व में लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुलिस ने अभी तक यह नहीं बताया है कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति पर क्या आरोप लगाए गए हैं? ओपीपी ने कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर कोई चिंता नहीं है। सीटीवी न्यूज ने ओपीपी के हवाले से कहा, चूंकि हम जांच के शुरुआती चरण में हैं, इसलिए कोई और जानकारी नहीं दी जा सकती है।

पापुआ न्यू गिनी में 6.9 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी वापस ली गई

पापुआ न्यू गिनी में 6.9 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आने के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई लेकिन इसे बाद में वापस ले लिया गया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने यह जानकारी दी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार भूकंप स्थानीय समयानुसार शनिवार सुबह आया। इसका केंद्र न्यू ब्रिटेन द्वीप पर किम्बे शहर से 194 किलोमीटर (120 मील) पूर्व में समुद्र तट पर था। प्रशांत

सुनामी चेतावनी केंद्र ने भूकंप के तुरंत बाद सुनामी की चेतावनी जारी की थी जिसे बाद में वापस ले लिया गया। चेतावनी केंद्र ने पापुआ न्यू गिनी तटरेखा के कुछ हिस्सों में एक से तीन मीटर ऊंची लहरें उठने की चेतावनी जारी की थी। निकटवर्ती सोलोमन द्वीप के लिए 0.3 मीटर की छोटी लहरें उठने की चेतावनी को भी वापस ले लिया गया। भूकंप से किसी प्रकार का नुकसान होने की तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली है। न्यू ब्रिटेन द्वीप पर 5,00,000 से अधिक लोग रहते हैं। पापुआ न्यू गिनी के सबसे नजदीकी पड़ोसी ऑस्ट्रेलिया के मौसम विज्ञान ब्यूरो ने कहा कि उसके देश में सुनामी का कोई खतरा नहीं है। न्यूजीलैंड के लिए भी कोई चेतावनी जारी नहीं की गई। पापुआ न्यू गिनी के प्रशांत 'रिंग ऑफ फायर' पर स्थित होने के कारण यहां अकसर भूकंप आते रहते हैं। 'रिंग ऑफ फायर' धनुष के आकार की वह रेखा है जो प्रशांत महासागर के उस हिस्से में हैं जहां सबसे ज्यादा सक्रिय ज्वालामुखी हैं और इसलिए यहां भूकंप आने का खतरा अत्यधिक रहता है।

म्यांमार में बचाव और राहत कार्यों में सहायता के लिए सैन्य दल भेजेगा श्रीलंका

श्रीलंका भूकंप प्रभावित म्यांमा को 10 लाख अमेरिकी डॉलर की वित्तीय मदद मुहैया कराने के अलावा बचाव, राहत और चिकित्सा सहायता मुहैया कराने के लिए वहां तीन सैन्य दल भेजेगा। श्रीलंका के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि म्यांमा में भूकंप पीड़ितों के लिए राहत सहायता लेकर श्रीलंका का विशेष विमान शनिवार को रवाना होगा। उसने बताया कि श्रीलंका से 10 लाख अमेरिकी डॉलर की मदद के अलावा बचाव, राहत और चिकित्सा सहायता मुहैया कराने के लिए तीन सैन्य दल भेजे जाएंगे। इसके अतिरिक्त, बौद्ध संप्रदाय के तीन नेताओं ने दोनों देशों के बीच घनिष्ठ धार्मिक संबंधों को देखते हुए राहत सहायता का प्रबंध किया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।